दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 360 | ग्वालियर, मंगलवार 10, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

बीजेपी ने राहुल गांधी को भारतीय लोकतंत्र पर बताया 'काला धब्बा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अमेरिका में उनकी ताजा टिप्पणी को लेकर तीखा हमला बोला और उन्हें भारतीय लोकतंत्र के लिए 'काला धब्बा करार दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर विदेश में अपनी टिप्पणियों से भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि राहुल गांधी एक अपरिपक्व और पार्ट-टाइम (अंशकालिक) नेता हैं। लेकिन जब से वह (लोकसभा में) विपक्ष के नेता बने हैं, तब से लोगों ने उनके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी डाल दी है। भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र के लिए काला धब्बा हैं। उन्हें यह भी नहीं पता है कि विदेशों में क्या बातें कही जाती हैं।

भाजपा प्रवक्ता अमेरिका में एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ गांधी की टिप्पणी को लेकर संवाददाताओं के सवालों का जवाब दे रहे थे। भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा था कि भारतीय राजनीति से प्रेम, सम्मान और विनम्रता गायब हैं। उन्होंने भारत को एक 'विचार मानने के लिए आरएसएस की आलोचना भी की। राहुल ने कहा

था, ''आरएसएस मानता है कि भारत एक विचार है। हम मानते हैं कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है। कांग्रेस नेता ने रविवार को डलास में अपनी वर्तमान अमेरिका यात्रा पर भारतीय प्रवासियों के साथ अपनी पहली बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। राहुल गांधी अमेरिका की चार दिवसीय अनौपचारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान वह डलास, टेक्सास और वाशिंगटन की यात्रा करेंगे और भारतीय मूल के लोगों एवं युवाओं से बातचीत करेंगे। सोमवार से शुरू हुई वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान उनकी अमेरिका के सांसदों और वहां की सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने की भी योजना है। गांधी ने भारत में विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किए जाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है इसलिए वह बेरोजगारी का सामना नहीं कर रहा है, जबकि भारत और अमेरिका समेत पश्चिमी देश बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी 'चीन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोल सकते हैं या कोई बयान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, ''वह भारत को कमजोर करते हैं। वह चीन के साथ खड़े हैं। भाटिया ने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान चीन के साथ पार्टी-टू-पार्टी एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, यह उसी समझौता ज्ञापन का नतीजा है। अगर मैं गलत हूं तो मैं राहुल गांधी और (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे को चुनौती देता हूं कि वे एमओयू (सहमति पत्रत्र) को सार्वजनिक करें।

नाबालिग बच्ची से कर रहा था अश्लील हरकत, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में बारह साल की नाबालिग बच्ची के साथ उसके शिक्षक ने कथित तौर पर अश्लील हरकत की। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने उसे आज गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह शिकायत मिली कि जिले के बेजवा स्थित सरकारी कम्पोजिट विद्यालय में शनिवार को कक्षा पांच में पड़ने वाली बारह साल की बच्ची के साथ विनय बाबू (35) ने अश्लील हरकत की है। औराई के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सच्चिदानंद पांडेय ने शिकायत के हवाले से बताया कि शनिवार को स्कूल में बच्ची को एकांत में ले जाकर उसको गोद में बैठाकर गलत हरकत करने लगा! किसी तरह उसके चंगुल से निकल कर बारह साल की बच्ची घर पहुंची और परिजनों को देर से आने का कारण बताया। एसएचओ ने बताया कि रविवार को बच्ची खुद परिजनों के साथ थाना आई और मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धारा और पॉक्सो अधिनियम में मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक को आज गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया छात्रा का अदालत में कलम बंद बयान दर्ज कराया जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) भूपेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि कम्पोजिट विद्यालय के शिक्षक विनय बाबू को गिरफ्तार किये जाने की औराई थाना से मिली सूचना पर आज शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मौत बनकर घर में दौड़ा करंट, पिता को बचाने आए बेटे की भी गई जान, मां और बेटी भी आई चपेट में

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में रविवार को बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने की कोशिश में उसकी पत्नी और बेटी घायल हो गईं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता ने बताया कि प्रेमदत्त शर्मा (42) की कोतवाली थाना क्षेत्र में अपने घर में नहाते समय बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। उन्होंने मीडिया से कहा, ''प्रेमदत्त का बेटा कृष्णा उन्हें बचाने के लिए दौड़ा और वह भी करंट की चपेट में आ गया। प्रेमदत्त की पत्नी और बेटी स्नानघर में आने पर करंट लगने से झुलस गईं। उनकी चीखें सुनकर किसी ने बिजली की सप्लाई काट दी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''चारों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्रेमदत्त और उसके बेटे को मृत घोषित कर दिया। प्रेमदत्त की पत्नी और बेटी खतरे से बाहर हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मोटर पंप के पास लटका एक इन्वर्टर तार (संभवतः टूटा हुआ) गीला हो गया और स्नानघर में करंट प्रवाहित हो गया।

तालाब में डूबने से 4 बच्चियों की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में चार लड़कियां तालाब में डूबीं दमोह, आठ सितंबर (भाषा) मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र के दमोह जिले में रविवार शाम चार लड़कियां तालाब में डूब गईं। नोहटा थाना प्रभारी अरविंद सिंह लोधी के अनुसार, लड़कियां अपने माता-पिता के साथ जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर डूमर गांव के पास एक मंदिर में एक धार्मिक समारोह में गई थीं। उन्होंने बताया कि शाम लगभग छह बजे तीन लड़कियां-माया लोधी (नौ), राजेश्वरी लोधी (12) और प्रिंसी सिंह (12) वहां पास के तालाब में गईं लेकिन वे डूबने लगीं। अधिकारी ने बताया कि रागिनी लोधी (13) उन्हें बचाने के लिए तालाब में कूदी, लेकिन चारों लड़कियां डूब गईं।

डॉक्टर के परिवार को पैसे ऑफर नहीं किये गए

सीएम ममता बनर्जी ने पीड़ित परिवार से मांगा सबूत

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आज ही के दिन एक महीने पहले एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटना हुई थी। इस घटना के बाद से लोग लगातार धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में शामिल डॉक्टरों ने अभी तक अस्पताल में वापसी नहीं की है और उनकी हड़ताल जारी है। वहीं अब इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को किसी भी तरह का पैसे से जुड़ा ऑफर नहीं दिया गया था। ममता बनर्जी ने इसे पूरी तरह से झूठा आरोप बताया। उन्होंने पीड़ित परिवार से यह भी कहा कि वे सबूत पेश करें कि कब और कहां पैसे देने की बात की गई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना पर पीड़ित परिवार को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि वे साबित करें कि कब और कहां पैसे की पेशकश की गई थी। उन्होंने इस

आरोप को सिरे से नकारते हुए कहा कि यह पूरी तरह से झूठ है। मुख्यमंत्री ने इस मामले को ड्रामा और प्रोपगेंडा करार दिया। उनका कहना है कि पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए आरोप वास्तविकता से मेल नहीं खाते और केवल राजनीतिक लाभ के लिए खड़े किए गए हैं। इस बयान से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया है कि वे आरोपों को गंभीरता से नहीं ले रही हैं और मामले की सच्चाई को उजागर करने की चुनौती दी है। पीड़ित परिवार का कहना है कि जब उनकी बेटी का शव उनके सामने था, तब एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें पैसे की पेशकश की। परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें शव को सुरक्षित रखने के लिए दबाव डाला गया और कई पुलिसकर्मियों ने उन्हें घेर लिया। इसके चलते अंतिम संस्कार के लिए परिवार को मजबूरन तैयार होना पड़ा। परिवार ने यह भी कहा कि उन्हें अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं लिए गए और पुलिसवालों ने कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश की, जिसे उन्होंने फाड़कर फेंक दिया।

यूपी ने किया विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश: सीएम योगी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पिछले साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है और यह राज्य विकास और निवेश के एक नये युग में प्रवेश कर चुका है। नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास करने के मौके पर उन्होंने आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित किया। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब निवेश का स्वप्निल गंतव्य बन गया है। सीएम योगी ने कहा कि इंका सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परंपरागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है, जो वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है।

सूरत के लालगेट इलाके में बड़ा बवाल: गणपति पंडाल पर पथराव से मचा हंगामा, भीड़ जुटी

सूरत। इस समय गुजरात समेत देशभर में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। लोग आस्था के साथ बप्पा की स्थापना कर इस त्योहार का आनंद ले रहे हैं। फिर ऐसे समय में कुछ स्थानों पर अप्रकाशित घटनाएं भी घटित हो जाती हैं। ऐसी ही एक घटना हाल ही में सूरत के सैयदपुरा इलाके से सामने आई है। सैयदपुरा इलाके में असामाजिक तत्वों द्वारा गणपति पंडाल पर पथराव करने की घटना सामने आई है। हालांकि लोगों ने पंडाल में पथराव करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया और सैयदपुरा पुलिस चौकी का घेराव कर लिया। इस घटना के बाद विधायक भी मौके पर पहुंचे। जहां विधायक कांति बलर ने कहा कि जिम्मेदार युवक को छोड़ा नहीं जाएगा और उन्होंने आश्वासन दिया है कि पुलिस इस युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

बल्ला कांड में कोर्ट का बड़ा फैसला, आकाश विजयवर्गीय समेत सभी 5 आरोपी बरी

इंदौर। पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय को 5 साल पुराने बल्ला कांड में कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इस मामले में विशेष न्यायालय ने आकाश विजयवर्गीय सहित सभी आरोपीयों को बरी कर दिया। कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव और फरियादी के बयान पर आकाश विजयवर्गीय को दोषमुक्त किया है। कोर्ट के सामने फरियादी निगम अधिकारी धीरेंद्र बायस बयान से पलट गए थे। यू टर्न बयान के बाद कोर्ट ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश पर लगे सभी आरोपों से बरी कर दिया है। बता दें कि अफसर की बल्ले से पिटाई के मामले में 10 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई थी। इस मामले में आकाश विजयवर्गीय को जेल जाना पड़ा था। 26 जून 2019 को जर्जर मकान पर कार्रवाई के दौरान सारा घटनाक्रम हुआ था। 5 साल कोर्ट में केस चला

जिस पर आज विशेष न्यायधीश एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायधीश देव कुमार ने फैसला सुनाया है।

पश्चाताप करने से बारामती से चुनाव जीतने में मदद नहीं मिलेगी, संजय राउत का अजीत पवार पर हमला

नई दिल्ली। शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अपने कुछ राजनीतिक कदमों पर पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र बारामती से हार का सामना करना पड़ेगा। राउत की टिप्पणी तब आई है जब अजित पवार ने हाल ही में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी चचेरी बहन और राकांपा (शरद पवार) नेता सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा को मैदान में उतारकर गलती की थी। उन्होंने कहा था कि राजनीति घर में नहीं घुसनी चाहिए। सुले उनके चाचा शरद पवार की बेटी हैं। अजित पवार के नेतृत्व में राकांपा के एक धड़े ने शरद पवार के खिलाफ एक अलग गुट बना लिया था और फिर वह शिव सेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार ने रविवार को कहा था कि वह एक विधायक के रूप में किए गए विकास कार्यों से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा था कि बारामती के लोगों को एक बार उनके अलावा कोई अन्य विधायक मिलना चाहिए ताकि वे उनके किए

गए कामों से नए विधायक के कामों की तुलना कर सकें। अजीत पवार 1991 से बारामती से विधायक हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने भाजपा के गोपीचंद पडलकर के खिलाफ 1.65 लाख मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी। राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''शरद पवार और उनकी पार्टी के साथ उन्होंने जो किया, उसका पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है। अजित पवार निश्चित रूप से बारामती विधानसभा चुनाव हारेंगे। उन्होंने कहा, ''अजित पवार ने राकांपा और पवार परिवार के भीतर ही फूट पैदा कर दी। यहां तक कि उन्होंने उनकी (शरद पवार की) पार्टी और चुनाव चिह्न भी छीन लिया। उन्होंने अपने चाचा की पीठ में छुरा घोंपा जो उसके लिए पिता तुल्य हुआ करते थे। राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा, जो मुंबई के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा, ''हमें डर है कि ये भाजपा नेता राजनीतिक और वित्तीय रूप से मुंबई को कमजोर करना जारी रखेंगे। संगठनों और संस्थानों जैसी अच्छी चीजों को मुंबई से गुजरात स्थानांतरित करने का लगातार प्रयास किया जाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र, जो मुंबई में होना था, उसे गुजरात स्थानांतरित कर दिया गया है। शिवसेना नेता ने कहा, ''हम इन भाजपा नेताओं की ऐसी नीतियों के खिलाफ हैं।

गुवाहाटी आईआईटी के हॉस्टल में मिला स्टूडेंट का शव

गुवाहाटीः असम के वाहाटी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के छात्रावास के एक कमरे में सोमवार को कंप्यूटर विज्ञान का एक छात्र मृत मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी छात्र का शव ब्रह्मपुत्र छात्रावास के उसके कमरे में मिला। वह

कंप्यूटर विज्ञान में तीसरे वर्ष का छात्र था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जांच जारी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस साल गुवाहाटी आईआईटी में किसी छात्र की मौत की यह चौथी घटना है। नौ अगस्त को एक छात्रा का शव कथित तौर पर उसके कमरे में फंदे से लटका मिला था। एक प्रवक्ता ने कहा, ''गुवाहाटी आईआईटी को बेहद दुख के साथ सूचना देनी पड़ रही है कि हमारे समुदाय के एक छात्र की मौत हो गई है। हम इस कठिन समय में छात्र के परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों का हित आईआईटी की शीर्ष प्राथमिकता है और यह छात्रों को उनके सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए सहायता और संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने कहा, ''हम अपने छात्र समुदाय को हमारे सहायता तंत्र से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। गुवाहाटी आईआईटी सभी छात्रों के लिए एक सहायक और सुरक्षित माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

दतिया पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही ग्राम रावरी कांड का मुख्य साजिश कर्ता फरार आरोपी को थाना सिनावल पुलिस ने आगरा (उ. प्र.) से किया गिरफ्तार

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार शिवहरे व एसडीओपी बड़ौनी श्री विनायक शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना सिनावल पुलिस द्वारा ग्राम रावरी में तोड़फोड़ एवं मारपीट करने वाले ग्राम रावरी कांड का मुख्य साजिश कर्ता आरोपी सिनावल पुलिस ने गिरफ्तार किया।

घटना विवरण–दिनांक 23/07/24 को रात्रि में, पुरानी रंजिश पर से ग्राम रावरी के पाल समाज के लोगो के द्वारा अहिरवार समाज के लोगो से मारपीट, तोड़फोड़ तथा कट्टा व बन्दूक से हवाई फायर कर दहशत फैलाई थी, उपरोक्त रिपोर्ट पर से अपराध क्र. 83/24 धारा 296, 115 (2), 191(2),191(3),190, 324(4), 331 (6), 125, 351 (2) बी.एन.एस

3(1)2.3(1),3(2) व्हीए एससीएसटी एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्यवाही–दौराने विवेचना थाना सिनावल पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए पिछले डेढ़ माह से घटना दिनांक से फरार मुख्य साजिशकर्ता आरोपी पुष्पेन्द्र जाट पुत्र विजेन्द्र जाट उम्र 28 साल निवासी बैनई जिला आगरा को दिनाक 09/09/24 को आगरा से गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपी से घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में 16 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस कार्यवाही–उक्त कार्यवाही में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में श्रीमान एसडीओपी महो. अनुभाग बड़ौनी श्री विनायक शुक्ला के निर्देशन में थाना प्रभारी सिनावल उनि अरविन्द सिंह भदौरिया व उनकी टीम की अहम भूमिका रही है।

प्राचीन गणेश मंदिर पहुंचे लहार विधायक अनुज ने गणेश पूजन कर की पूजा अर्चना

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर दबोह के सुप्रसिद्ध प्राचीन श्री गणेश मंदिर पर श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव शुरू हो गया है जिसके चलते प्राचीन श्री गणेश मंदिर दबोह पर गणपति बप्पा का पूजन व प्रथम दिवस की महाआरती के लिए लहार विधायक अम्बरीश शर्मा(गुड्डू)के अनुज अखिलेश शर्मा(बंटू)दबोह पहुँचे और पूजन व महाआरती में शामिल हुए।मंदिर के पुजारी पँडित दीपक राजौरिया ने बताया कि नगर दबोह में एक ही प्राचीन श्री गणेश मंदिर है जिनके पास अर्जी लगाने मात्र से हर मनोकामना पूर्ण होती हैं।उन्होंने कहा कि अगर कोई कार्य सफल नही हो रहा हो तो रिद्धि सिद्धि के दाता श्री गणेश महाराज के दर्शन करने मात्र से सफलता के रास्ते खुल जाते हैं।इस दौरान अखिलेश शर्मा (बंटू)के साथ लहार भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष अग्निहोत्री, भगवान नायक,केशव विजपुरिया, संजीव चौधरी, मोनू उपाध्याय, शिवराज यादव, अंजनी ुरचानियां, परमाल गुर्जर, विकास दुबे, पार्षद लालता कुशवाह, शिवकुमार गोस्वामी, अरविंद गुप्ता,राममोहन मुदगिल, शेरे पठान, लता तेहरिया, ब्रजेन्द्र गुर्जर, अनुज उपाध्याय, मुन्ना यादव,संजीव यादव, पत्रकार हरिश्चंद्र पाण्डेय, दिलीप नायक, अजय त्रिपाठी, रविंद्र शर्मा, अर्पित गुप्ता, मोहित गोस्वामी, चीकू गुप्ता, धर्मेंद्र कुरचानियाँ, बबली शर्मा, राजू विजपुरिया,जीतू पाठक,संतोष तिवारी,हरि चिकवा,धर्मेंद्र चतुर्वेदी आदि लोग मौजूद रहे।

ओबीसी महासभा के संभागीय सचिव बने पार्षद लालता कुशवाह

लहार विधायक समेत नेताओ ने दी बधाई

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। ओबीसी महासभा रजि.लगातार विस्तार करने में लगी हुई है और नये चेहरों को पदभार दे रही है।इसी क्रम में ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ नेतृत्व की अनुशंसा पर लहार विधानसभा से नगरीय क्षेत्र दबोह से भाजपा पार्षद लालता कुशवाह पर भरोसा जताते हुए उन्हें संभागीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। यहां बता दें कि लालता कुशवाह भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओ में से हैं और वह लहार विधायक के नजदीकी भी माने जाते हैं।वहीं इस दौरान नवनियुक्त संभागीय सचिव बनने पर पार्षद लालता कुशवाह ने कहा कि ओबीसी महासभा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसका निर्वाहन जिम्मेदारी से करूंगा। वहीं उन्हें बधाई देने वालो में लहार विधायक अम्बरीश शर्मा(गुड्डू), लहार मण्डल अध्यक्ष सुभाष अग्निहोत्री, संजीव चौधरी, पूर्व पार्षद मुलायम सिंह यादव, संजीव यादव, मेहरबान सिंह कुशवाह,जितेंद्र दोहरे,गंगाराम कुशवाह,गोविंद दास कुशवाह पूर्व पार्षद, चरण सिंह कौरव पूर्व सरपंच,मानवेन्द्र सिंह कौरव,भाजपा नेता शिवकुमार गोस्वामी, अरविंद गुप्ता, हरिश्चन्द्र पाण्डेय,अजय त्रिपाठी, दिलीप नायक, रविंद्र शर्मा, अर्पित गुप्ता, मोहित गोस्वामी, शिवम श्रीवास्तव, जितेंद्र कुशवाह, तिलक सिंह कुशवाह, गुलाब सिंह कुशवाह, सागर पठान आदि बधाई देने वालो में शामिल हैं।

गणेश भक्तों द्वारा श्री गणेश जी की प्रतिमाएं बैठाई गई

जगह जगह हो रहे रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन व भंडारे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गणेश भक्तों द्वारा जिले भर में श्री गणेश जी की प्रतिमाएं बैठाई गई हैं,जिन स्थानों पर श्री गणेश जी की प्रतिमाएं बैठाई गई हैं,वहां पर भक्तगणों द्वारा जागरण एवं भजन कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । शहर के बताशा बाजार जैन मंदिर वाली गली में गणेश भक्तों द्वारा श्री गणेश जी की प्रतिमा बैठाई गई है,भक्तों द्वारा बताया गया है,कि वह पिछले लगभग 20 बर्षों से नियमित रूप से श्री गणेश जी की मूर्ति बैठाते आ रहे हैं,और रात्रि जागरण एवं भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित करते हैं । श्री गणेश भक्तों ने बताया कि गणेश जी का गणेश विसर्जन करने के बाद भंडारा भी किया जाता है। भक्तों ने कहा कि श्री गणेश जी की उपासना करने से सारे कष्ट व संकट दूर हो जाते हैं, गणेश भक्तों ने मंगल कामनाओं के साथ सभी भक्तों को शुभकामनाएं दीं हैं। गणेश मूर्ति रखने वालों में मुख्य रूप से अंकित शिवहरे,जय सोनी, सतीश सोनी, रघु सोनी, संजय सोनी, दीपक सोनी, बड़े व छोटे सोनी एवं समस्त गणेश भक्तगण।

दिगम्बर जैन मंदिर क्लर्क कालोनी में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व सुबह 7 बजे

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिगम्बर जैन मंदिर क्लर्क कालोनी में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व पर सुबह 7 बजे भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा हुई तत पश्चात देव शास्त्र गुरु, महावीर स्वामी, दशलक्षण धर्म की पुजा कि गई। दोपहर में तत्वार सुत्र का वाचन किया गया। प्रचार प्रमुख प्रवीण जैन ने बताया कि रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में शुरूआत मंगलाचरण से कि गई। तत् पश्चात भगवान महावीर के पांचो कल्याणक पर आधारित सुंदर न्रत्य वाटिका प्रस्तुत कि गई जिसमें भगवान के पांचों कल्याणक गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान,मोक्ष, कल्याणक के सुन्दर दृश्यों की प्रस्तुति दि गई। भगवान पर होने वाले उपसर्ग को भी यहा पर दिखाया गया। अर्पित-स्रष्टि पारलिया पुजा जैन श्वेता जैन शिल्पा जैन दीपिका जैन निलांशी जैन प्रेमलता जैन सपना जैन टीम द्वारा प्रस्तुति दि गई। कार्यक्रम का संचालन विशाल-श्वेता जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाज के कार्याध्यक्ष आनंद गोधा संजय काका मनीष जैन सिद्धार्थ गंगवाल के साथ सभी समाज जन शामिल हुए।

विश्व साक्षरता दिवस पर शपथ और रैली का आयोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में एनएसएस इकाई द्वारा विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में साक्षरता की शपथ ली गई कि हम साक्षरता बड़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।साल में कम से कम एक व्यक्ति को स्वयं पड़ा लिखा कर साक्षर बनाएंगे। शपथ रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.धीरज सिंह गुर्जर ने दिलाई और कहा निरक्षरता अभिशाप है,इसे सबको मिल जुल कर मिटाना है। शिक्षा जीवन की सफलता के लिए बहुत जरूरी है । किसी भी देश की खुशहाली और विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां कितने लोग पड़े लिखे हैं । हम अपने घर, पड़ौस और आसपास में जो भी बड़े बुजुर्ग या युवा निरक्षर व्यक्ति है,उन्हें धीरे धीरे पड़ा लिखा कर साक्षर बनाएं ताकि वे भी अपने जीवन में विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके।अपने आसपास की दुनियां को ठीक से समझ सके और आत्म निर्भर हो सके।

हर वर्ष 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगो को शिक्षा के प्रति जागरूक करना,उन्हे सामाजिक और मानव विकास के अधिकारों को जानने की अवश्यकता के बारे में जागरूक करना है। इस वर्ष 2024 की साक्षरता दिवस की थीम है,बहुभाषी शिक्षा को बड़ावा देना तथा आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' इसके बाद विद्यालय से शास्त्री चौराहे से जिला चिकित्सालय तक साक्षरता जागरूक रैली निकाली गई। इस दौरान पीटीआई सुरेंद्र बघेल, विष्णु सिंह, काजल शिवहरे, राहुल, कृष्णा, देवकी, मोनिका, दीपांशी, लक्ष्मी, नाजिया, शिवानी, बीनू, अंशुल आदि मौजूद रहे।

आगामी त्यौहारों एवं सोशल मीडिया पर निगरानी हेतु पुलिस कप्तान समीर सौरभ ने पुलिस खुफिया टीम की बैठक ली

केशब पंडित जी अम्बाह

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा पुलिस खुफिया टीम की बैठक आयोजित की गई । जिसमें खुफिया विभाग के पुलिस उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी थे। आयोजित बैठक मे पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ द्वारा खुफिया टीम के प्रत्येक अधिकारी से चर्चा कर ब्रीफ किया गया। बैठक का मुख्य उददेश्य् आगामी आने वाले त्यौहारों के पूर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण तथा सोशल मीडिया पर निगरानी बनाये रखना था। खुफिया टीम के प्रत्येक सदस्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा फीडबेक लेकर ब्रीफ किया गया। वर्तमान मे सोशल मीडया पर असामाजिक तत्वों के द्वारा भडकाउ

मैसेज डालकर शांतिभंग करने की स्थिति निर्मित करने की कोशिशें की जाती है, ऐसे तत्वों पर सख्ती से निपटनें के लिए आवश्यथक है, कि सोशल मीडिया पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जाकर, ऐसी किसी भी हरकत को समय पूर्व ही रोक लिया जाकर संबंधित तत्व पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जावे। पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने कि पुलिस की खुफिया टीम की मीटिंग ली गई है, जिसमें टीम के प्रत्येक सदस्य से फीडबैक लिया जाकर ब्रिफ किया गया, जिससे आम सूचना मे लगे पुलिस अधिकारी कर्मचारी और बेहतर परिणाम दे सके।

सड़कों पर आवारा पशु पाये जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर आवारा पशु पाये जाने पर उन्हें पकड़कर गौशाला पहुंचाये। जिन लोगों के पशु सड़कों पर बैठे या घुमते पाये जाए उनके मालिकों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाए। जिले में कहीं पर भी सड़कों पर गौवंश या अन्य पशु नजर नहीं आना चाहिए। पशु मालिकों को भी हिदायत दी जाए कि वे अपने पशुओं को बांध कर रखें। सड़कों पर गौवंश एवं अन्य पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने यह निर्देश दिए गए हैं।

550 साल पुराने आईमाता धाम बिठुडा पिरान मंदिर के नवनिर्माण का लिया फैसला

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली। आईजी धाम बिठुडा पिरान में पिरोसा गोपालसिंह परमार साहब की अध्यक्षता में, सानिध्य में परगना के 17 गांव के पंचो व आम जन की एक पिरोसा द्वारा बुलाई मीटिंग बिठुडा पिरान में रखी गयी थी, इसका मुख्य उद्देश्य आईजी धाम बिठुडा पिरान वडेर के पुनर्निर्माण पर सबकी राय, चर्चा व विचार विमर्श करना था। मिटिंग की शुरुआत पिरोसा के उद्बोधन के साथ हुई, उसके बाद परगना सचिव द्वारा विस्तार से वडेर निर्माण पर आगे की कार्य योजना पर प्रकाश डाला गया! मीटिंग में 17 गांव से पधारे हुए समाज बंधुओ ने इस विषय पर अपनी अपनी राय रखी, बिठुडा पिरान गाँव से समाज बंधुओं के हर घर से जोडावाईज राशि वडेर निर्माण हेतु ली जा रही है, इसके साथ ही सम्पूर्ण सीरवी समाज से कोई भी समाज बंधु वडेर निर्माण में सहयोग कर सकते है, मिटिंग में सर्व सम्मत्ति से

निम्नानुसार प्रस्ताव लिए गए जिसमें प्रमुख है इस पवित्र धाम को बिलाड़ा, नारलाई व डायलाना धाम जैसा विकसित करना, भव्य वडेर का निर्माण के साथ साथ बाहर से आने वाले भाविको के रुकने व खाने की व्यवस्था करना, बनाए गए दो नक्शे में से एक नक्शा सर्वसम्मति पास किया गया जिसमें गर्भगृह को छोड़कर बाकी बची जगह पर मल्टीपर्पज अंडरग्राउंड हॉल बनाया जायेगा। आईजी धाम बिठुडा पिरान में दो म्यूजियम बनाने का फैसला भी विचाराधीन चल रहा है सा, (1) आईमाता पर्चा म्यूजियम, जिसमे आईमाता के तमाम पर्चो को दर्शाया जायेगा सा, (2) कृषि औजार म्यूजियम, जिसमे तमाम किसानी करने के ओजारों को दर्शाया जायेगा ।आईजी धाम बिठुडा पिरान वडेर एक रजिस्टर्ड संस्थान है जिसमें कुछ ट्रस्टी व पदाधिकारी बने हुए हैं इसके अध्यक्ष पिरोसा गोपालसिंहजी परमार है, कल की मीटिंग में सभी समाज बंधुओं ने सर्वसम्मति से आदरणीय पिरोसा गोपालसिंहजी परमार साहब को आजीवन इस संस्था का संरक्षक व अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस रजिस्टर्ड संस्थान में बिठुडा पिरान गाँव के अलावा भी ज्यादा से ज्यादा समाज बंधुओ को जोड़ने व आर्थिक सहयोग के लिए ट्रस्टी व आजीवन सदस्य बनाने का प्रस्ताव लिया गया, पिरोसा साहब के आशीर्वचन व दोपहर के भोजन प्रसाद के बाद मीटिंग का समापन हुआ।

संपादक की कलम से

बिन पानी सब सून..

ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए विकसित किए जाएं विशेष जोन

मैदानों से लेकर पहाड़ों ने इस वर्ष गर्मी के सभी रेकॉर्ड तोड़ दिए। यह सर्वविदित है कि तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने में वन बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। हम सभी जानते हैं कि विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। पेड़ मुख्यतः शहरीकरण, विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित करने, फर्नीचर, ईंधन इत्यादि प्राप्त करने एवं सड़कों को बनाने तथा चौड़ा करने के नाम पर काटे जा रहे हैं। बड़े झ बड़े बांध बनाने, कृषि योग्य भूमि विकसित करने एवं आग लगने की घटनाओं से भी वन सम्पदा का नुकसान हो रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने हरे पेड़ काटने पर रोक लगाई हुई है, परन्तु यह रोक वन माफिया के हाथों को बांधने में नाकाफी साबित हुई है।

वन एक कार्बन सिंक की तरह काम करते हैं एवं वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों को अवशोषित कर प्राणवायु ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम के लिए वनों का संरक्षण एवं विकास अत्यंत आवश्यक है। इस बात को ध्यान में रखते हुए ही भारत सरकार ने वनों के विस्तारीकरण का लक्ष्य इस प्रकार से रखा है ताकि 2030 तक 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड को वन रूपी कार्बन सिंक के माध्यम से अवशोषित किया जा सके। वृक्ष लगाने के साथ- साथ उनकी कटाई रोकना भी बहुत आवश्यक है। पेड़ों को बचाना एवं लगाना, दोनों ही हमारा प्रकृति के प्रति निस्वार्थ भाव दशार्ता है। यह एक प्रेरणात्मक एवं आनंदमयी जुड़ाव है जो सदियों से चला आ रहा है। लगभग 300 वर्ष पहले जोधपुर के खेजड़ली गांव में विश्नोई समाज के 363 लोग पेड़ों की रक्षा के लिए उनसे लिपट गए एवं पेड़ों के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कुछ ऐसा ही एक आंदोलन वर्ष 1970 के दशक में उत्तराखंड के चमोली जिले में शुरू हुआ था जो कि बाद में चिपको आंदोलन के नाम से जाना गया। जब ये दोनों आंदोलन हुए तब ग्लोबल वार्मिंग जैसे शब्द कहीं चलन में ही नहीं थे और साक्षरता दर बहुत कम थी परन्तु वृक्षों की उपयोगिता शायद उन लोगों को आज से ज्यादा पता थी।

विभिन्न संगठन एवं सरकारें वृक्ष बचाने एवं लगाने की दिशा में सराहनीय काम रहे हैं परन्तु सिर्फ पौधों को लगाने से कुछ नहीं होगा, उनको पालना भी होगा। अभी तो लगाए गए ज्यादातर पौधे या तो पानी और खाद के अभाव में सूख जाते हैं या फिर विभिन्न पशुओं एवं समाजकंटकों द्वारा खराब कर दिए जाते हैं। रोपित पौधों को एक यूनिक आइडी देकर रियल टाइम मॉनिटरिंग करने के बारे में जल्दी सोचा जाना चाहिए। भारत में बड़े शहरों के साथ-साथ अब छोटे शहर भी प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। पेड़ों के अभाव में कंक्रीटनुमा शहर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते बेचैन से प्रतीत होते हैं। हर जिला एवं तहसील स्तर पर स्पेशल एनवायरनमेंट जोन (सेज) अर्थात विशेष पर्यावरण क्षेत्र बनाए जाने चाहिए। इस तरह के सेज में आधुनिक तकनीक की सहायता से सघन वृक्षारोपण किया जाए। इसी के साथ सड़कों के दोनों किनारों पर तथा घर के बाहर छायादार पेड़ लगाने एवं उनको पालने की मुहिम चलाई जाए। ऐसा करने से न सिर्फ शहरों का बढ़ता तापमान नियंत्रित होगा, वरन प्रदूषण, मिट्टी का अपरदन, जलवायु परिवर्तन, कम बारिश, बाढ़ इत्यादि समस्याओं से भी निपटा जा सकेगा। ऐसे उद्योग जो एनजीं इंटेंसिव हैं, उनकी इकाइयां सम्बंधित जिला प्रशासन के साथ मिलकर स्पेशल एनवायरनमेंट जोन (सेज) बनाने की दिशा में काम कर सकती हैं। ये सेज वन, मूक पशु-पक्षियों का भी सहारा बनेंगे एवं हमारी आगामी पीढियों के लिए एक उज्जवल भविष्य लेकर आएंगे। आज से ही पेड़ लगाना शुरू करें। कोई भी छायादार पेड़ सरकारी नर्सरी में मुफ्त या बहुत कम मूल्य में प्राप्त हो जाता है। बदले में यह पेड़ हमें जो देगा, उसकी कीमत शायद कोई कभी नहीं चुका सकता।

'टोफू' के सेवन से आयरन की कमी पूरी की जा सकती है

नई दिल्ली। शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए कई तरह के विटामिन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है। उसमें से एक आयरन भी है, जिसकी कमी से व्यक्ति को एनीमिया हो सकता है।

इस पर और ज्यादा जानकारी लेने के लिए आईएएनएस ने शालीमार बाग के फोर्टिस हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन डॉक्टर पवन कुमार गोयल से बात की।

डॉक्टर पवन कुमार ने बताया, "इसे हीमोग्लोबिन की कमी से भी आप समझ सकते हैं। हीमोग्लोबिन एक प्रकार का प्रोटीन है जो लाल रक्त कणिकाओं (रेड ब्लड सेल्स) में पाया जाता है। यह शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। आयरन की कमी से हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कणिकाओं का बनना कम हो जाता है, जिसके कारण पूरे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई अच्छे से नहीं हो पाती।"

शरीर में आयरन की कमी के चलते आने वाले लक्षणों के बारे में डॉक्टर ने कहा, " इसमें व्यक्ति को हमेशा थकान और कमजोरी जैसा महसूस होता है। इसके अलावा शरीर में पीलापन नजर आता है। इसमें चक्कर आना, सांस फूलना, सिर दर्द, हाथ-पैरों का ठंडा रहना, नाखूनों का टूटना जैसे लक्षण भी दिखाई देते है। इसमें कई बार लोगों के दिल की धड़कन भी तेज हो जाती है।" इसके कारणों के बारे में बात करते हुए डॉक्टर पवन ने कहा, " मासिक धर्म या अन्य कारणों से रक्तस्राव, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग से शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। कई बार भोजन की थाली में पर्याप्त पोषण तत्व नहीं मिल पाते जिसके कारण भी शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कंडीशन जैसे सीलिएक रोग आदि की वजह से भी आयरन की कमी हो सकती है।" एनीमिया को दूर करने के उपायों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "एनीमिया की कमी को दूर करने के लिए आमतौर से डाइट में सप्लीमेंट्स के जरिए आयरन का सेवन बढ़ाना चाहिए। इसके अलावा विटामिन सी का भी भरपूर मात्रा में सेवन करना चाहिए।"

डॉक्टर ने कहा कि आयरन की कमी को पूरा करने के लिए रेड मीट, पोल्ट्री, फिश, बीन्स के अलावा दालों, पालक, फोर्टिफाइड अनाज और टोफू लिया जा सकता है। यह सभी आयरन के अच्छे स्रोत माने जाते है। उन्होंने आगे कहा, "इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों, मेवे, बीज और ड्राई फ्रूट्स में भी आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। वनस्पति स्रोतों से प्राप्त आयरन का अवशोषण शरीर में तेजी से होता है। कभी-कभी लंबे समय तक आयरन सप्लीमेंट्स का सेवन करने की बजाय कम समय में आयरन की कमी को दूर करने के लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना बेहतर विकल्प होता है।"

गुलाब कोठारी

आज विश्वभर में जल संकट है- क्यों? क्या बरसात कम हो रही है अथवा उस पानी को संग्रह नहीं किया जाता? कई देशों में संग्रह भी होता है, किन्तु उसका लाभ प्रभावी लोग अधिक उठाते हैं। बांध-नहरें-भू-जल दोहन के स्वरूपों का आकलन करें तो समझ में आ जाएगा। ईश्वर ने सृष्टि बनाई, उसके खाने-पीने की व्यवस्था की। मानव-पशु-पक्षी आदि सभी के लिए जल उपलब्ध कराया। आज सब उल्टा होने लगा है। कुल उपलब्ध जल का 80-85 प्रतिशत भाग खेती में खप रहा है। पीने के लिए मात्र 10 प्रतिशत तथा शेष में उद्योग धंधे आदि। क्योंकि खेती आवश्यकता से आगे जाकर व्यापार बन गया। सृष्टि छोटी रह गई।

राजनीति, मानवता के हितों को नजरअंदाज करने लगी है। जो सावधानी प्रकृति ने रखी थी उसे भी धीरे-धीरे नकारती गई। जितना जल ईश्वर देता है, वह भी कम पड़ने लगा। व्यापार सर्वोपरि हो गया। आपातकाल-अकाल आदि के लिए भूमिगत जल की व्यवस्था को भी लूटना शुरू कर दिया। पूरी सृष्टि का हिस्सा केवल कृषि व्यापार में? क्या यह सृष्टि का अपमान नहीं है? आज भी जितना भू-जल स्तर वर्षा से बढ़ता है, उसका 25 प्रतिशत से ज्यादा का दोहन होता है। इसके बाद भी कृषि आय नहीं बढ़ी उल्टी खाद्यान्न की गुणवत्ता भी घटी है। पर्यावरण भी दूषित होता जा रहा है। सरकारों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से मिलकर रिपोर्टें भी बनवाई किन्तु विपरीत परिणाम उजागर होने के डर से दबा दी गई। इधर छीजत भी बढ़ी है। बड़, पीपल के पेड़ लुप्त होने लगे। कम जल खपत की फसलें भी घटीं, बाजरा-ज्वार जैसी। 56 प्रतिशत क्षेत्र में भूजल 2 से 4 मीटर नीचे गया। इनमें राजस्थान के पुराने 21 जिले प्रभावित हुए। सड़कों के फैलते जाल और बहुमंजिला इमारतों की बसावट ने वर्षाजल पुनर्भरण (रिचार्ज) का क्षेत्र कम कर दिया। जल के संग्रह-उपयोग को लेकर कोई मास्टर प्लान नहीं बना। किसी प्रकार का नया नीति-निर्धारण भी नहीं हुआ। गांवों का शहरीकरण, शहरों का फैलाव भी रिचार्ज में बड़ी बाधा है।

माटी से लगाव गायब

ऊपर से हमारे ह्यदेशभक्तह्ल नेता-अधिकारी प्राकृतिक जल स्रोतों पर असुरों की तरह अतिक्रमण कर बैठ गए। जयपुर के रामगढ़ बांध का ह्यकंकालह्ल इन देशद्रोहियों के कुकृत्यों का जीता-जागता उदाहरण है। आज तो सम्पूर्ण आबादी तक पीने का शुद्ध पानी भी नहीं पहुंचा। किन्तु बड़ी व्यापारिक फसलों (कैश क्रॉप) फसलों- कपास, गन्ना, चावल, जैतून, मूंगफली, अनार आदि के लिए जल की व्यवस्था प्राथमिकता बन गई। प्रभावी लोग तो नहर के बम्बे खोलकर खेत को भर लेते हैं। पीछे के खेतों को सप्लाई करने की शिकायतें आई थीं। जल के अन्धाधुंध प्रयोग से नहरी क्षेत्रों की जमीनें खारड़ा बन गई, बंजर हो गईं। सेम की समस्या से कई गांव उजड़ गए। किसकी कोठियां जगमगाईं, देख सकते हैं।

राजस्थान का आधे से अधिक भाग रेगिस्तान है, एक-चौथाई के लगभग पर्वत-पथरीला क्षेत्र है। ऊपर से शहरीकरण-सड़कें जैसे नासूर। रिचार्ज कहां से होगा। रिचार्ज से अधिक दोहन ही डार्क-जोन का जनक है। जल बचाने की जितनी योजनाएं बनीं, वे ऊंट के मुंह में जीरा हैं। बढ़ती आबादी और घटता जलस्तर कैसे जीवन को सुखद अनुभव कराएगा। कमाने वाले भाग जाएंगे। जो यहां रहेंगे वे ही दंश भोगेंगे- बुद्धिमानों की अज्ञान-दृष्टि का।

आवश्यकता है मानवता को बचाने की। जीवन को अर्थ (धन-सम्पत्ति) से अधिक महत्वपूर्ण मानने की। जलनीति के साथ जल के उपयोग का मास्टर प्लान भी बने और लागू भी हो। ऐसा न हो कि फिर राजस्थान पत्रिका को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ जाए। जल की आवक, भूजल रिचार्ज, प्राणियों के पीने की आवश्यकता का आकलन हो। पहले शत प्रतिशत पीने के जल की मात्रा तय होनी चाहिए। इसमें कोई समझौते की छूट नहीं होनी चाहिए। हमें मानव-जीवन की पहले चिंता होनी चाहिए। अन्यथा अफसर तो पहले चांदी टटोलता है।

कृषि विभाग को संवेदनशील अधिकारियों के हाथों में ही सौंपना चाहिए, न कि संगदिल परायों के हाथों।

हम गन्ना, चावल, गेहूं बेचकर, निर्यात करके धन कमाने के लिए जुटे हैं। चीनी आयात को बढ़ाने के समाचारों से खुशी के मारे गाल लाल हो जाते हैं। ये सारी पैदावार पानी मांगती है। हमारे प्रदेश में तो पानी ही जनता का लहू है। इसको ही बेचकर जनता को प्यासा मारा जाता है। अफसर दूषित पेयजल सप्लाई करके ड्यूटी की इतिश्री कर लेते हैं। सच्चाई यह है कि हम इन जीन्स (फसलों) के माध्यम से जल बेच रहे हैं। यह तथ्य न किसानों को दिखाई देता है, न ही अधिकारियों को। जानते भी होंगे किन्तु आय को देखकर गांधारी बने बैठे हैं। अधिकारी तो पीने के उपलब्ध पानी को रोक देने वाले होते हैं। बांध-तालाब, झीलों के सूखते ही पट्टे काटने लग जाते हैं। सड़कें बनाने लगते हैं। कहीं गलती से लोगों को पीने का पानी मिल न जाए। ऐसा व्यवहार तो इतिहास में शायद अंग्रेजों और मुगलों ने भी नहीं किया होगा। हमारे राजा-रानी तो तालाब-बावड़ियां खुदवाने के लिए जाने जाते हैं। उनको अपनी धरती से लगाव था। आज अपनी धरती से लगाव का भाव गायब हो गया।

दूसरी मार पड़ी पैदावार बढ़ाने की। उन्नत बीज, उन्नत खाद और जानलेवा कीटनाशकों ने भी जल की खपत को बढ़ाया ही है। इसने जल की ऊजार्वान शक्ति यथा वीर्य का ह्रास करना शुरू कर दिया। अन्न में उपलब्ध स्नेहन और मधु (शर्करा) ही वीर्य का आधार है। दोनों तत्त्वों का अभाव ही रोग निरोधक क्षमता का ह्रास है। किसानों में, आगे जन-जीवन में बढ़ते हुए कैंसर की जड़ भी यही है। अंधी दौड़ में जीवन का निर्यात और मौत का आयात इस स्थिति में तो अवश्यम्भावी है।

सभी समझें जिम्मेदारी, तब होगा वातावरण

दूषित वायु समूचे विश्व की समस्या है। बढ़ते दिल और दिमाग के आघात, श्वसन संबंधी बीमारियों, कैंसर आदि के लिए बहुत हद तक दूषित वायु ही जिम्मेदार है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने यह तथ्य मानते हुए हर वर्ष 7 सितंबर को नीले आकाश के लिए स्वच्छ वायु को समर्पित विश्व स्वच्छ वायु दिवस के रूप में आयोजित करने का संकल्प किया है। विडम्बना तो यह है कि दुनिया की 95 प्रतिशत आबादी उन देशों में रह रही है जिन्होंने विशेष रूप से वायु प्रदूषण लक्षित समझौते किए हुए हैं। वायु प्रदूषण को तो कोई किसी भौगोलिक सीमा में तो बांधकर रख नहीं सकता। इसलिए इसका असर व्यापक है। यह हर बाधा को लांघ अन्यत्र भी अपने दुष्प्रभाव छोड़ देता है। इसकी बदौलत स्वास्थ्य के साथ-साथ खाद्यान्न सुरक्षा और आवासीय चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। दूषित वायु और जलवायु परिवर्तन के मध्य घनिष्ठ रिश्ता है क्योंकि दोनों के मूल में कार्बन उत्सर्जन है। दोनों ही वातावरण को प्रदूषित करते हैं। भारत में तो स्थिति अत्यंत विकट है क्योंकि यहां तो व्यक्ति विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा तय मानक से लगभग 16 गुना अधिक प्रदूषण के संपर्क में आ रहा है। वर्ष 2021 में वायु की गुणवत्ता के लिए 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का मानक तय करते हुए माना गया था कि यह लक्ष्य प्राप्त करने से बहुत हद तक वायु प्रदूषणजनित बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। इन सबके रहते कैसे नीला आकाश यानी स्वच्छ वायुमंडल हमें देखने को मिल सकता है। वायुमंडल को तो हम धरती और आकाश दोनों तरफ से प्रदूषित करते जा रहे हैं। मानव विकास की भागदौड़ में स्वयं को हो रहे नुकसान का तनिक भी आकलन नहीं कर पा रहा है।

वायु प्रदूषण के लिए किसी पर भी दोषारोपण करने से पूर्व स्वयं के दैनन्दिन व्यवहार, अपेक्षाओं और जीवन पद्धति की समालोचना करना आवश्यक है। वायु प्रदूषण का प्रारंभ हमारे घर से ही हो जाता है, जहां भोजन पकाने और गरम करने के लिए अब भी उज्ज्वला योजना के बावजूद विभिन्न वस्तुओं यथा लकड़ी, गोबर इत्यादि का उपयोग किया जाता है, जो बड़ी मात्रा में दुष्प्रभाव छोड़ते हैं। इसी प्रकार परिवहन के लिए भी औचित्यहीन तरीके से साधनों का उपयोग बढ़ रहा है। विगत 10 वर्ष में निश्चित रूप से सार्वजनिक परिवहन की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है, किंतु उसके साथ ही सुगम होते उच्च मार्गों एवं विस्तारित होते वायु परिवहन ने वायु प्रदूषण के नए मार्ग खोल दिए हैं। अब वायु परिवहन को सस्ता करने की मांग भी उठती रहती है, बिना यह जाने की वायुयान जीवाश्म ईंधन से चलते हैं और प्रति ग्राम ईंधन के जलने से लगभग 3 ग्राम यानी तीन गुना कार्बन उत्सर्जन होता है। वायु प्रदूषण को गंभीर चुनौती मानते हुए विगत वर्षों में सरकार ने लक्ष्यों के अनुरूप स्वच्छ उत्पादन परिलाभ, वाहन प्रदूषण नियंत्रण और वायु गुणवत्ता संबंधी मानक तय करने की दिशा में सार्थक प्रयास किया है किंतु अब भी सफर बहुत लंबा है। इसमें सबसे बड़ी बाधा राष्ट्रीय नीति एवं कार्यक्रम को धरातल तक लाना एवं तत्सम्बन्धी क्षमता का विकास करना है। वर्तमान में भी चचार्एं अधिक होती हैं और यथारूप क्रियान्वयन अत्यल्प। आम इंसान भी स्वच्छ वातावरण के प्रति अपने सरोकार को प्रभावी रूप से अंजाम नहीं दे रहा, अन्यथा व्याप्त योजनाओं एवं कार्यक्रमों के आधार पर वातावरण बहुत हद तक स्वच्छ हो सकता है। हम आदतन रूप से आक्षेप अन्य पर लगाने में विश्वास करते हैं और स्वयं को मात्र एक इंसान से परिवर्तन नहीं हो सकने के दर्शन से शासित करते हैं। अधिसंख्य लोगों का मानना है की प्लास्टिक का उपयोग नहीं होना चाहिए, कचरे का सही निस्तारण होना चाहिए, हर वस्तु का अधिकतम उपयोग करना चाहिए किंतु वास्तविकता यह है कि इन सबका अनुसरण अधिकांशतया तभी किया जाता है जब दंड व्यवस्था का डर हो। इसी प्रकार स्थानीय सरकारें भी अपने दायित्वों को सतही तौर पर अंजाम दे, समस्या का समाधान मान लेती हैं। खुले में कचरा जलाने से अधिक वायु प्रदूषण होता है किन्तु इस बाबत कहीं भी दंडात्मक प्रावधान नहीं है क्योंकि उनके कर्मी या अधिकृत एजेंसी भी इसमें लिप्त हैं। सरकारी नीति या कार्यक्रम तो साधक तत्व हो सकते हैं किंतु साधना या पालना तो व्यक्तिगत स्तर पर ही करनी होगी।

यदि हम पुनः नीला आकाश देखना चाहते हैं तो कूड़े का सही पृथक्कीकरण कर निस्तारण करने के साथ, अपने जीवन में स्थानीय भोजन को महत्त्व देना होगा। साथ ही सार्वजनिक परिवहन के उपयोग एवं ऊर्जा के औचित्यपूर्ण उपयोग संबंधी परिवर्तन करने होंगे, अन्यथा यह पर्यावरण समय के साथ दमघोंटू हो जाएगा। अब भी समय है कि हम मिलकर स्वच्छ वायु के लिए प्रयास करें। हर कदम रास्ता तय करने में मददगार होता है, अतएव महात्मा गांधी के कथनानुसार जो परिवर्तन आप चाहते हैं वह स्वयं से करें। नीला आकाश मात्र कामना से नहीं अपितु क्रियान्वयन से प्राप्त होगा। वायु ही औषधि है।

कब पीछा छोड़ेगा ये 370 का आंकड़ा

@ राकेश अचल

कुछ चीजें जाने-अनजाने गले पड़ जातीं हैं तो पीछा नहीं छोड़तीं, ठीक उसी तरह जिस तरह की कुछ भूत मरने-मारने के बावजूद सर से नहीं उतरते। उन्हें उतरने के लिए लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ती है। अनचाही चीजों से पिंड छुड़ाने के लिए भी लम्बी मशक्कत करना पड़ती है। इस समय भाजपा के सिर पर दस साल से कांग्रेस का भूत और गले में धारा 370 हड्डी की तरह फंसी हुई है। तीसरी बार देश की सत्ता में आई भाजपा के साथ पहली बार मेरी सहानुभूति उमड़ रही है। आखिर भाजपा ने सत्ता में आने के लिए, एक नया युग [मोदी युग] शुरू करने के लिए बहुत पापड बेले तब कहीं जाकर 34 साल बाद सत्ता में आयी थी। दुर्भाग्य ये है कि भाजपा लगातार पापड़ बेल रही है, लेकिन खुद खा नहीं पा रही। जिस धारा 370 को हटाने में भाजपा को एक लम्बी यात्रा करना पड़ी। वो ही धारा 370 अब फिर से जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के आते ही एक बार फिर गले पड़ गयी है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कह रहा है कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में न आयी तो जम्मू-कश्मीर को धारा 370 फिर से लौटा दी जाएगी।

आपको याद होगा कि चार महीने पहले ही सम्पन्न आम चुनावों में भाजपा ने अपने लिए 370 और अपने गठबंधन के लिए 400 पार का लक्ष्य रखा था, किन्तु देश की जनता ने भाजपा को दोनों ही लक्ष्य पूरे नहीं करने दिए। भाजपा 240 पर ही अटक गयी। भाजपा ने जैसे-तैसे इस दर्द को ,इस आंकड़े को भुलाने की कोशिश की थी किन्तु जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव घोषित होते ही समूचे विपक्ष ने एक बार फिर धारा 370 की वापसी का राग अलापकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दीं है। मुश्किलें कम करने और मुश्किलें बढ़ाने में बड़ा अंतर है। भाजपा को लगा कि धारा 370 हटाने के बाद सीमा पर कर किसी खाई में गिरकर मर गयी होगी, लेकिन ऐसानहीं हुआ। वो तो जहाँ थी, वहीं आज भी है, केवल उसे जम्मू-कश्मीर से हटा दिया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि यह दर्जा कौन वापस दे सकता है यह दर्जा तो सिर्फ भारत सरकार दे सकती है, प्रधानमंत्री दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको दलित और गुज्जर बकरवाल भाइयों के रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे। अपने पुराने सियासी कश्मीरी दोस्तों को इंगित कर अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार ने जम्मू कश्मीर को लूटा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला को मत जिताना नहीं तो जम्मू कश्मीर का विकास रुक जाएगा। जम्मू कश्मीर के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ध्वज, एक संविधान के तहत पहला चुनाव हो रहा है।कांग्रेस तो छोड़िये अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम रहे उमर अब्दुल्ला ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधा चैलेंज देते हुए आर्टिकल 370 को वापस लाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीते तो अनुच्छेद 370 को दोबारा लागू करेंगे। इसके लिए वक्त लगेगा, लेकिन यह होकर रहेगा। 370 हटने के बाद जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव पहली बार होने जा रहे हैं तब इसकी गूंज और जोर से सुनाई पड़ रही है।

हमें पता हैं कि धारा 370 को हटाना न आसान था और अब तो दोबारा लागू करना और भी मुश्किल है। इसीलिए मई मुश्किल शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूँ,असम्भव का नहीं। आपको याद होगा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 5 अगस्त 2019 को सीओ 272 जारी किया था। राष्ट्रपति का यह वह आदेश था जिसके जरिए संविधान के अनुच्छेद 367 को संशोधित किया गया। इसमें कहा गया कि अनुच्छेद 370 (3) में उल्लेखित संविधान सभा की जगह इसे विधानसभा कहा जाएगा। इससे ही 370 हटाने का रास्ता साफ हुआ। लेकिन भाजपा ने धारा 370 को संविधान से विलोपित शायद नहीं किया है, और अब शायद ऐसा करने का समय भी नहीं है और कूबत भी नहीं है। इसलिए इस धारा को लेकर जम्मू -कश्मीर का अवाम देश की मुख्यधारा में वापस आएगा या नहीं ,इसमें संदेह है।

हम धाराओं के साथ बहने वाले लोग नहीं है। हमें धारा के विपरीत अपना रास्ता तय करने की आदत है, लेकिन हमें फिक्र भाजपा की है, उसके तनाव की है और उसकी चुनौतियों की है, क्योंकि पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा हो चुका है। नेतृत्व को लेकर असंख्य विवाद भी हैं। देश--काल परिस्थितियों में भी तेजी से तब्दीली आ रही है। सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा अपने आपको समय के हिसाब से ढाल नहीं पा रही। भाजपा आज भी हिन्दू-मुसलमान पर अड़ी है। भाजपा के संल्प पत्र में भी यही हुआ। घाटी के लिए भाजपा ने ऐसी एक भी योजना नहीं बनाई जो वहां के किसी मुस्लिम नेता के नाम पर हो। हम तो रामसेवक लोग है। मानते हैं कि-

हुईए वही जो राम रची रखा।
को कहि तक बढ़ावहि साखा।।

कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अवैध रूप से हार जीत की बाजी लगाकर सट्टा खिलवाने वाले सट्टे बाजों को कबड्डी मोहल्ला और जय स्तंभ रीवा से किया गया गिरफ्तार

रीवा! पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनकर, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी के नेतृत्व में सट्टा खिलाने वाले सट्टे बाजों के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक जय प्रकाश पटेल द्वारा अपनी टीम के साथ मुखबिर सूचना पर सट्टा खिलवाने वाले सट्टे बाजों 1. राजकुमार दुबे पिता स्वर्गीय जग जाहिर प्रसाद दुबे उम्र 38 साल निवासी वार्ड क्रमांक 6 बांस घाट थाना सिविल लाइन रीवा एवं 2. गोलू लोनिया पिता नंदू लोनिया उम्र 26 साल निवासी जय स्तंभ के पास कबड्डी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 6 थाना सिविल लाइन रीवा को पृथक पृथक कबाडी मोहल्ला में दबिश देकर अवैध रूप से सट्टा पर्ची में हार जीत की बाजी लगाकर सट्टा खिलाने वाले सट्टे बाजों के विरुद्ध सट्टा अधिनियम के तहत् कार्यवाही करते हुए थाना में क्रमशः अप.क्र.441/24 धारा 4(क) एक्ट एवं अप.क्र.442/24 धारा 4(क) एक्ट के तहत् पृथक पृथक मामला पंजीबद्ध किया गया । एवं उपरोक्त आरोपियों को धारा 170 व्हहस्स में भी गिरफ्तार किया गया है जिन्हें पृथक से तहसील न्यायालय हुजूर पेश किया जावेगा ।

गिरफ्तार आरोपी –1. राजकुमार दुबे पिता स्वर्गीय जग जाहिर प्रसाद दुबे उम्र 38 साल निवासी वार्ड क्रमांक 6 बांस घाट थाना सिविल लाइन रीवा एवं 2. गोलू लोनिया पिता नंदू लोनिया उम्र 26 साल निवासी जय स्तंभ के पास कबड्डी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 6 थाना सिविल लाइन रीवा

जप्त मसरूका – एक डॉट पेन 5 सट्टा पर्ची कार्बन का टुकड़ा नागड़ी 660 रुपए एवं दूसरे अपराध में एक डॉट पेन 7 सट्टा पर्ची कार्बन का टुकड़ा नागड़ी 710 रुपए

महत्वपूर्ण भूमिका:- निरीक्षक जय प्रकाश पटेल, प्रधान आरक्षक 559 बलराम पासी, प्रधान आरक्षक 713 आशीष सिंह, आरक्षक 1018 सुधीर शुक्ला, आरक्षक 288 संजीत यादव।

गुढ़ तहसील में कैम्प लगा कर खसरा नकल का किया गया वितरण

रीवा, गुढ़। राजस्व महाअभियान कार्यक्रम के तहत आज अनुविभागीय अधिकारी गुढ़, तहसीलदार गुढ़, एवं नायब तहसीलदार गुढ़ सर्किल दुआरी व आर आई पटवारी द्वारा तहसील गुढ़ में कैम्प लगा कर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करते हुए आदेश उपरांत पक्षकारों को आदेश का अमल अभिलेख में कराया जाकर खसरा नकल वितरण किया गया। बताया गया कि आदेश अनुपालन कैम्प कार्यालय तहसील गुढ़ में आयोजित कैम्प लगाने एवं पक्षकारों को आदेश का अमल अभिलेख में कराया जाकर खसरा नकल वितरण किए जाने सें पक्षकारो में प्रसन्नता व्याप्त है। इस आवसर पर अनुविभागीय अधिकारी गुढ़ अनुराग त्रिपाठी, तहसीलदार गुढ़ बिनयमूर्ति शर्मा, नायब तहसीलदार गुढ़ सर्किल दुआरी तेजपति सिंह द्वारा खसरे की नकल सौपा गया। उक्त कैम्प के दौरान पटवारी स्वदीप शुक्ला सहित गुढ़ तहसील राजस्व अमला एवं कास्तकार मौजूद रहे।

श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत के प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय हिंदू एकता संगठन भारत के संस्थापक कुं धर्मेंद्र सिंह राजावत का सेना से सेवा निवृत होकर आने पर डिफेंस बिल्डर ग्रुप ग्वालियर ने किया सम्मान

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। सूचित हो कि ग्वालियर में डिफेंस बिल्डर ग्रुप रिटायर फौजियों के द्वारा प्रोपर्टी का कारोबार बड़े स्तर पर कर रहा है। जिसमें मुख्य रूप से श्री सोनू तोमर जी,श्री विपिन सिंह भदौरिया जी, श्री रामबीर सिंह परिहार जी,श्री रामराज सिंह भदौरिया जी सीमेंट डीलर,श्री अरुण सिंह तोमर जी, एवं पूर्व सैनिक भाइयों के सहयोग से काम कर रहा है। पिछले 5 वर्षों में बहुत ही ईमानदारी एवं पारिदर्सिता के साथ ग्वालियर में जमीनों पर कालोनी डबलप कर रहा, हजारों संतुष्ट ग्राहकों का विश्वसनीय बनचुका है। इस मौके पर श्री युग्वीर सिंह भदौरिया जी, श्री रामबीर सिंह परिहार जी, श्री कुलदीप सिंह जादौन जी, श्री कृष्णा जादौन जी, श्री अरविन्द राजावत जी, श्री सत्येंद्र कुशवाह जी, श्री वेदप्रकाश राजावत जी, श्री सुरजीत सिंह राजावत जी ने भी शुभकामनाएं दी।

कलयुगी पुत्र ने पिता की पत्थर से कुचलकर की निर्मम हत्या

बहन ने किसी तरह भागकर बचाई अपनी जान

रीवा। जिले के गुढ़ में एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी ने पहले अपने पिता को लाठी से पीटा और फिर पत्थर से कुचल दिया। आरोपी ने बहन के ऊपर भी जानलेवा हमला करने की कोशिश की। जिसे वहां मौजूद ग्रामीणों ने बचाया। घटना गुढ़ थाना क्षेत्र के दुआरी गांव की है। जहां कलयुगी बेटे ने छोटी सी बात पर अपने पिता को मरते दम तक मारा और मौत के घाट उतार दिया।पुलिस के मुताबिक आरोपी अनिल साकेत नशे का आदी है। जिसका पिता रामाश्रय साकेत से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। पहले दोनों के बीच बहस हुई। जिसके बाद अनिल साकेत ने पिता पर हमला कर दिया। गंभीर अवस्था में रामाश्रय साकेत को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां कुछ ही घंटे बाद उसकी मौत हो गई। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। थाने में हत्या का मामला पंजीबद्ध किया गया है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

भाई ने पापा को पीट-पीटकर मार डाला–ज्योति साकेत ने बताया कि भाई अनिल साकेत पिछले दो-तीन दिनों से इसी तरह नशे में रहता था। पापा रामाश्रय साकेत चुप-चाप खाट पर लेटे हुए थे। पापा भी कभी-कभार थोड़ा बहुत पीते थे। घटना के पहले उन्होंने भी थोड़ी शराब पी रखी थी। भाई नशे की हालत में पापा की खाट के पास जाकर बार-बार हंगामा कर रहा था। पापा को इस बात पर गुस्सा आ गया। उन्होंने भाई को गाली बक दी और दूर जाने के लिए कहा। इतने भी भाई ने पापा को 4-5 थप्पड़ जड़ दिए। मैं बीच-बचाव के लिए मौके पर पहुंची। मैंने फटकार लगाते हुए कहा कि ये क्या-क्या रोज-रोज का तमाशा लगा रखा है। नशा करोगे और फिर हंगामा करोगे। इतना सुनते ही भाई मुझ पर आग बबूला हो गया। वो मुझे पीटने के लिए मेरे पीछे डंडा लेकर भागा। पापा दौड़कर आए और उन्होंने मुझे बचाया। पापा ने भाई को कसकर पकड़ लिया और उसके हाथ से डंडे को छीनने की कोशिश करने लगे। इतने में भाई ने पापा पर लाठी-डंडे की बौछार शुरू कर दी। उन्हें लगातार मरते दम तक पीटा। उन्होंने भागने की कोशिश भी की लेकिन भाई ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इतने में भी मन नहीं भरा तो पत्थर पटककर जान से मार दिया।

परिजन बोले- आरोपी मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ,कड़ी सजा मिले–मृतक के मामा गोकुल प्रसाद साकेत ने बताया कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद भागने की फिराक में था। लेकिन सभी ग्रामीणों ने मिलकर उसे पकड़ लिया। फिर रस्सी के सहारे उसे पेड़ पर बांध दिया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस तत्काल ही मौके पर पहुंची। जहां पहुंचकर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी-डंडे भी जब्त किए हैं। आरोपी मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ्य है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि उसने पागलपन के चलते घटना को अंजाम दिया है। हां वो नशे का आदी है और आपराधिक सोच का व्यक्ति है। वो बहन ज्योति को मना कर रहा था कि भाभी के कमरे में मत जाया करो। बड़ा भाई दिल्ली में रहकर नौकरी करता है। इसलिए ज्योति रात में अपनी भाभी के कमरे में ही सो जाया करती थी। इस बात को लेकर आरोपी बहन से भी झगड़ा करता था। अब हम चाहते हैं कि इसे अधिक से अधिक सजा मिले। जिला से बाहर निकलेगा तो अपनी बहन और भाभी के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।

रिश्वत नहीं देने पर सरकारी एंबुलेंस ने मरीज को रास्ते में उतारा, मरीज का आरोप- ड्राइवर ने 1 हजार रु मांगे

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एंबुलेंस कर्मचारी और मरीज के परिजनों के बीच बहस हो रही है लोगों का दावा है कि एबुलेंस कर्मचारी और ड्राइवर ने मरीज को अस्पताल ले जाने के बदले परिजनों से रुपए मांगे हैं इसके बाद रुपया नहीं देने पर वह मरीज को बीच सड़क में उतारकर रवाना हो गए वहीं अधिकारियों ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

एंबुलेंस के कर्मचारियों पर 1 हजार रु मांगने का आरोप–सोशल मीडिया में वायरल हुआ एक वीडियो सिंगरौली जिले का है। महिला साजापानी गांव निवासी विजय कुमार की पत्नी है विजय कुमार के मुताबिक, पत्नी की तबीयत खराब होने पर उसे सरई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया था इसके बाद हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर द्वारा सीएचसी सरई से जिला ट्रॉमा सेंटर बैढ़न के लिए रेफर कर दिया गया रेफर के बाद 108 एंबुलेंस के द्वारा बैढ़न ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में गाड़ी रोक कर एंबुलेंस के कर्मचारी व पायलट ने परिजनों से 1000 रुपयों की मांग की। **रुपए नहीं देने पर मरीज को सड़क पर उतारा**–विजय ने आगे बताया,इसके बाद मरीज के परिजनों ने कहा कि सरकार की यह सरकारी एम्बुलेंस मरीजों की सेवा के लिए निशुल्क है फिर हम पैसे क्यों दें, नहीं देंगे पैसे इसके बाद रुपए नहीं देने पर पायलट ने मरीज को एंबुलेंस से नीचे उतार दिया और एंबुलेंस लेकर वापस चला गया जिसके बाद निजी वाहन से मरीज को अस्पताल ले गए और उसे भर्ती कराया यह वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है मरीज के परिजनों ने इस घटना का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया इस मामले में निखिल जैन ने कहा मामले की जांच कराएंगे जांच रिपोर्ट आने के बाद इसमें कार्रवाई की जाएगी।

विशाल सम्मेलन विश्व हिंदू परिषद विशेष संपर्क विभाग द्वारा अखंड भारत : एक विमर्श का आयोजन किया गया

रीवा।राष्ट्र की वर्तमान स्थिति में अखंड भारत की एक जीवंत कल्पना विश्व हिंदू परिषद रीवा जिला इकाई द्वारा मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में नगर के वैचारिक प्रतिष्ठान पर अपना स्थान रखने वाले नागरिकों का एक विशाल सम्मेलन विश्व हिंदू परिषद विशेष संपर्क विभाग द्वारा दिनांक 8.9.24 को अखंड भारत – एक विमर्श का आयोजन किया गया जिसकी जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद के रीवा जिला अध्यक्ष मनीष भार्गव ने बताया कि की ऐतिहासिक परिकल्पना को वर्तमान समाज में भी गौरवपूर्ण यात्रा के संबंध में एक विशाल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन दोपहर 3–30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें विषय को प्रतिपादित करने के लिए विश्व हिंदू परिषद विशेष संपर्क विभाग के केंद्रीय मंत्री वह राष्ट्रीय प्रवक्ता अम्बरीष सिंह जी का प्रेरणादायक प्रबुद्ध लोगों के जीवन को सफल बनाने में समाज की दिशा निर्धारित करने में तथा इस राष्ट्र की कल्पना समाज के सामान्य वर्गों तक भी पहुंचे और उस पर विचार करें इसको प्रतिस्थापित करने हेतु प्राथमिकता से उदाहरण के द्वारा समझ करके और अखंड भारत की कल्पना में बाधा डालने वाले कुछ सामाजिक विषय बांग्लादेशी समस्या वक्फ बोर्ड कानून या अन्य ऐसे विषयों को ध्यान में रख करके अपने विचार रखें । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत जज अरुण कुमार सिंह जी ने भगवान राम का उदाहरण देकर राष्ट्र की कल्पना को किस प्रकार समाज द्वारा संगठित शक्ति के साथ साकार किया जा सकता है और समाज में उस राष्ट्रीय विचारधारा को किस प्रकार से स्थापित किया जा सकता है ऐसा उन्होंने विस्तार से अपने विचार रखें। पूज्य संत के रूप में से रमेशमणि जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के समस्त कार्यकर्ताओं के द्वारा पूरे नगर में एक वातावरण स्थापित किया गया जिसके कारण कार्यक्रम गरिमा पूर्ण संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन विश्व हिंदू परिषद के दिव्यांशु गौतम जी ने किया व कार्यक्रम में आभार अभय लाल मिश्रा जी ने किया तथा कार्यक्रम को एकाग्र बनाने हेतु अमित तिवारी ने अखंड भारत से जुड़ा हुआ व्यक्तिगत गीत का उद्बोधन किया । कार्यक्रम में प्रांत के सभी पदाधिकारी संगोष्ठी में उपस्थित थे । जनमानस में महिलाएं भी शामिल रही और उन सबके सुविधा हेतु सारी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मिलकर और पूरी तन्मयता से संपन्न किया।

ट्रेडिशनल वियर में दिखीं सोनम कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री और फैशन आइकन सोनम कपूर ने रविवार की सुबह इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह अबू जानी और संदीप खोसला द्वारा डिजाइन किए गए लाल रंग के कपड़ो में नजर आ रही हैं। सोनम ने अपने पोस्ट में लिखा, लाल रंग में लिपटी हुई, आलता से सजी हुई, और 'रंगीला रे' की धुन को महसूस करते हुए। हर कदम पर परंपरा का उत्सव और दिल में प्यार के साथ उस ईश्वर का सम्मान। सोनम कपूर की इस ड्रेस को उनकी बहन रिया कपूर ने डिजाइन किया है।

हाल ही में, अभिनेत्री ने वायु की पैदाइश के बाद कैमरे को फेस करने की उत्सुकता साझा की थी। उन्होंने कहा था,मैं अपनी प्रेगनेंसी के बाद फिर से कैमरे का सामना करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे एक अभिनेत्री होना पसंद है और मैं अपने पेशे के माध्यम से इतने दिलचस्प किरदार जीने का आनंद उठाती हूं। इंसानी जीवन मुझे आकर्षित करता है और मैं विभिन्न भूमिकाएं निभाना पसंद करती हूं। मैं भविष्य के लिए तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अगले साल की शुरुआत में सेट्स पर वापस लौटूंगी। इसके विवरण देने को मना किया गया है, इसलिए जब तक इसकी घोषणा नहीं हो जाती, मैं इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दे सकती। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। फिलहाल यही कह सकती हूं।

सोनम ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में सहायक निर्देशक के रूप में की थी। उन्होंने 2007 की रोमांटिक फिल्म 'सांवरिया' के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

इस फिल्म में रणबीर कपूर भी थे। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित, यह फिल्म 'फ्योदोर मिखाइलोविच दोस्तोव्स्की' की 1848 की एक कहानी 'व्हाइट नाइट्स' पर आधारित थी।

आलिया भट्ट की जिगरा का टीजर ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म जिगरा का टीजर-ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। जिगरा के टीजर-ट्रेलर के टीजर को फिल्म निर्माता करण जोहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। टीजर को शेयर करते हुये करण जोहर ने केप्शन में लिखा, 'उलटी गिनती शुरू जिगरा का ट्रेलर अब रिलीज़ हो गया है। टीजर वीडियो की शुरुआत में आलिया भट्ट होटल में ड्रिंक करते और अपने भाई यानी वेदांग रैना के बारे में बात करती नजर आ रही हैं।

वह कहती हैं कि उनके पास बहुत कम समय है और उन्हें बहुत कुछ करना है। वीडियो में आगे वेदांग रैना को गिरफ्तार कर लिया जाता है और आलिया उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही दिखती हैं। आलिया फिल्म जिगरा में बहादुर लड़की की भूमिका निभाती नजर आयेंगी ,वह गुंडों का सामना करती है और उनसे लड़ती भी हैं। जिगरा के टीजर ट्रेलर में दिखाया गया है कि आलिया भट्ट की आंखों में आंसू है। वो किसी को अपनी दर्दभरी दास्ता सुना रही होती हैं। वो कहती हैं, 'मां को भगवान ले गए और पापा ने खुद की जान ले ली। दूर के रिश्तेदार ने पनाह दी और भारी किराया वसूला। कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास बहुत बहुत कम वक्त बचा है।' बैकग्राउंड में गाना बजता है- 'फूलों का तारों का सबका कहना है...।'

टीजर रिलीज से पहले आलिया ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए कई नए पोस्टर शेयर किए हैं। वेदांग रैना फिल्म जिगरा में आलिया के भाई की भूमिका में नजर आयेंगे।पिछले साल आलिया भट्ट ने फिल्म जिगरा की कहानी के बारे में खुलासा किया था कि यह फिल्म 'साहस, जुनून और दृढ़ संकल्प' की कहानी है। हाल ही में ये भी खुलासा हुआ है कि आलिया को फिल्म के लिए बास्केटबॉल सीखना पड़ा है।

दीपिका, रणवीर सिंह के घर गूंजी किलकारी

बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बेटी के माता-पिता बन गए हैं। 'दीपवीर' ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने प्रशंसकों के साथ इस खबर की आधिकारिक पुष्टि की। पोस्ट में लिखा है, आपका स्वागत है बच्चा! 8.09.2024। इस खुशखबरी के बाद 'दीपवीर' के प्रशंसक ख़ुशी से झूम उठे। शनिवार को अस्पताल जाते समय दीपिका की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं थी। अपने पहले बच्चे का स्वागत करने से पहले, दीपिका और रणवीर शुक्रवार शाम को गणेश चतुर्थी के अवसर पर मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर गए। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही इस जोड़े की तस्वीर वायरल होने लगीं।

मल्लिका शेरावत को सता रही मुंबई की याद

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें बताया कि उन्हें शांत माहोल पसंद है फिर भी वो इन दिनों मुंबई को मिस कर रही हैं और इसकी वजह गणपति उत्सव को बताया। लॉस एंजिल्स में रह रहीं अभिनेत्री ने घर का दौरा करते हुए एक रील शेयर की, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे शांत वीकेंड पसंद हैं, यह वीकेंड विशेष रूप से आराम करने, चिंतन करने और रिचार्ज करने का समय है, हालांकि मुझे मुंबई में घर पर गणपति उत्सव की बहुत याद आ रही है। इसके बाद मल्लिका ने बताया कि उन्हें इस त्योहार में क्या पसंद है।

91 वर्ष की हुईं पार्श्वगायिका आशा भोंसले

बॉलीवुड की जानीमानी पार्श्वगायिका आशा भोंसले आज 91 वर्ष की हो गयी। महाराष्ट्र के सांगली गांव में 08 सितम्बर 1933 को जन्मीं आशा भोंसले के पिता पंडित दीनानाथ मंगेश्कर मराठी रंगमंच से जुड़े हुए थे। नौ वर्ष की छोटी उम्र में ही आशा के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुए आशा और उनकी दीदी लता मंगेश्कर ने फिल्मों में अभिनय के साथ साथ गाना भी शुरू कर दिया।आशा भोंसले ने अपना पहला गीत वर्ष 1948 में 'सावन आया' फिल्म चुनरिया में गाया। सोलह वर्ष की उम्र में अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाते हुये उन्होंने अपनी उम्र से काफी बड़े गणपत राव भोंसले से शादी कर ली। उनकी वह शादी ज्यादा सफल नहीं रही और अंततः उन्हें मुंबई से वापस अपने घर पुणे आना पड़ा। उस समय तक गीतादत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेश्कर फिल्मों में बतौर पार्श्वगायिका अपनी धाक जमा चुकी थीं।

वर्ष 1957 में संगीतकार ओ.पी. नैय्यर के संगीत निर्देशन में बनी निर्माता-निर्देशक बी. आर. चोपड़ा की फिल्म 'नया दौर' आशा भोंसले के सिने करियर का अहम पड़ाव लेकर आई।

वर्ष 1966 मे तीसरी मंजिल मे आशा भोंसले ने आर. डी. बर्मन के संगीत में 'आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा' गाना को अपनी आवाज दी जिससे उन्हे काफी ख्याति मिली।साठ और सत्तर के दशक में आशा भोसले हिन्दी फिल्मों की प्रख्यात नर्तक अभिनेत्री 'हेलन' की आवाज समझी जाती थी। आशा ने हेलन के लिये तीसरी मंजिल में 'ओ हसीना जुल्फों वाली', कारवां में ' पिया तू अब तो आजा', मेरे जीवन साथी में 'आओ ना गले लगा लो ना' और डॉन में 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत गाया। शास्त्रीय संगीत से लेकर पाश्चात्य धुनो पर गाने में महारत हासिल करने वाली आशा भोंसले ने वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म उमराव जान से अपने गाने के अंदाज में परिवर्तन किया। फिल्म उमराव जान से वह एक कैबरे सिंगर और पॉप सिंगर की छवि से बाहर निकली और लोगों को यह अहसास हुआ कि वह हर तरह के गीत गाने में सक्षम है।उमराव जान के लिये आशा ने 'दिल चीज क्या है' और 'इन आंखों की मस्ती के' जैसी गजलें गाकर आशा को खुद भी आश्चर्य हुआ कि वह इस तरह के गीत गा सकती है। इस फिल्म के लिये उन्हें अपने करियर का पहला नेशनल अवार्ड भी मिला। वर्ष 1994 मे अपने पति आर. डी. बर्मन की मौत से उन्हें गहरा सदमा लगा और उन्होंने गायिकी से मुंह मोड़ लिया। लेकिन उनकी जादुई आवाज आखिर दुनिया से कब तक मुंह मोड़े रहती। उनकी आवाज की आवश्यकता हर संगीतकार को थी। कुछ महीनों की खामोशी के बाद इसकी पहल संगीतकार ए. आर. रहमान ने की।रहमान को अपने रंगीला फिल्म के लिये आशा की आवाज की जरूरत थी। उन्होंने 1995 में 'तन्हा तन्हा' गीत फिल्म रंगीला के लिये गाया। आशा के सिने करियर मे यह एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ आया और उसके बाद उन्होंने आजकल की धूम धड़ाके से भरे संगीत की दुनिया में कदम रख दिया। आशा भोंसले को बतौर गायिका आठ बार फिल्म फेयर पुरस्कार मिल चुका है। उन्हें वर्ष 2001 में फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व उन्हें उमराव जान और इजाजत में उनके गाये गीतों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिया गया। आज रिमिक्स गीतों के दौर में बनाये गये गानों पर यदि एक नजर डाले तो पायेंगे कि उनमें से अधिकांश नगमें आशा भोंसले ने ही गाये थे। इन रिमिक्स गानों में पान खाये सइयां हमार, पर्दे में रहने दो, जब चली ठंडी हवा, शहरी बाबू दिल लहरी बाबू, झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में, काली घटा छाये मोरा जिया घबराये, लोगो न मारो इसे, कह दूं तुम्हें या चुप रहूं और मेरी बेरी के बेर मत तोड़ो जैसे सुपरहिट गीत शामिल है।

सम्राट मिहिर भोज की जयंती पर गोहद में निकली रैली, एसडीएम को दिया ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद- सम्राट मिहिर भोज की जयंती के अवसर पर गुर्जर समाज द्वारा चार पहिया वाहन रैली निकाली गई।रैली का शुभारंभ गोरमी क्षेत्र से हुआ। रैली गोरमी, मेहगांव, गाता, गितौर, कैथोदा, गिरगांव,कठवां गुर्जर,खरौआ,होते हुए गोहद नया बस स्टैंड पहुंची।इस दौरान रैली का जगह जगह स्वागत किया गया।नया बस स्टैंड कार्यक्रम स्थल पर सभा का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता रविन्द्र भाटी ने कहा कि हम सभी लोग संविधान के अनुसार लड़ाई लड़ने बाले लोग हैं।हमें अपने बच्चों को पढ़ा लिखा कर सक्षम बनाना है।और संविधान के अनुसार अपनी बात को रखना है।सभा के उपरांत एसडीएम पराग जैन को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया गया कि कारखानों में 60त्न रोजगार दिया जाए,बोरेश्वर महादेव के मंदिर पर लगा सम्राट मिहिर भोज का बोर्ड हटाया गया,उसे लगवाया जाए। अंबेडकर पार्क के पास जगह सुरक्षित की जाए। टोल प्लाजा पर स्थानीय नागरिकों को छूट दी जाए।केशव पार्क पर मूर्ति लगवाने के लिए समाजसेवी लोगों से आग्रह किया। इसके साथ अन्य मांगों को भी ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया।इस दौरान लगभग पांच सैकड़ा लोग मौजूद रहे वहीं भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा।

पूजा हेगड़े ने गणपति बप्पा का लिया आशीर्वाद

अपकमिंग फिल्म 'देवा' की शूटिंग पूरी करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपने परिवार के साथ मुंबई के वडाला इलाके में गणपति जी के दर्शन किए। अभिनेत्री अपने भाई-भाभी और पिता के साथ शहर में गणेशोत्सव समारोह के दौरान भगवान गणेश से आशीर्वाद लेने पहुंचीं। अभिनेत्री हर साल गणपति जी के दर्शन के लिए जीएसबी सेवा मंडल पंडाल में जाती हैं। पत्रकारों के यह पूछने पर कि क्या वह दूसरी बार पंडाल में आई हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वह हर साल जीएसबी सेवा मंडल पंडाल में गणपति जी के दर्शन करने आती हैं।

गणपति जी के दर्शन करने पहुंची अभिनेत्री खूबसूरत नीले रंग की अनारकली सूट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को घड़ी और झुमके से पूरा किया। इस साल की शुरुआत में पूजा मुंबई के बांद्रा इलाके में अपने नए घर में शिफ्ट हुईं। समुद्र के सामने स्थित इस घर की कीमत 45 करोड़ रुपये है और यह 4,000 वर्ग फीट में फैला हुआ है। अभिनेत्री पहले शहर में ही एक अन्य घर में रहती थीं। उन्होंने हाल ही में 'देवा' की शूटिंग पूरी की है, जिसमें वह शाहिद कपूर और पावेल गुलाटी के साथ हैं। शाहिद और पावेल दोनों ही फिल्म में पुलिसकर्मियों की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

दतिया जिला टास्क फोर्स एवं ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन की अध्यक्षता में आज न्यू कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में बेटी बचाओ बेटी पड़ाओ योजनांतर्गत जिला टास्क फोर्स एवं ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री माकिन द्वारा विभागों के जिला अधिकारियों केा योजना के तहत सीएसआर में आने वाली गिरावट के मुख्य कारणों को बताया। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी श्री यूएन मिश्रा को बालिका शौचालय के सुचारू फंगशन को जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीसीपीएण्डडीटी एक्ट के तहत प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला अधिकारियों की टीम का गठन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में जो गैर सरकारी क्लीनिक संलिप्त पाए जाने पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाना सुनिश्चित की जाए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविंद उपाध्याय ने योजना के बारे में विस्तृत जानकारी जिला टास्क फोर्स एवं ब्लॉक टास्क फोर्स के अधिकारीगणों को उनके दायित्वों के बारे में बताया गया कि योजनांतर्गत समिति में किस अधिकारी के कौन से दायित्व है। उन्होंने वन वाय वन करके योजना के सीएसआर के बारे में चर्चा की और उसको जिला स्तर पर कौन सी गतिविधियों के माध्यम से बड़ाया जा सकता है। श्री उपाध्याय ने वन स्टाप सेंटर सखी कार्यालय में बाल विवाह/वन स्टाप सेंटर सखी दतिया के लगभग 1200 प्रकरणों केा सुलह करा दिया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री विनोद भार्गव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश भार्गव, एसडीएम दतिया श्री ऋषि कुमार सिंघई, श्री यशदीप सिंह राजपूत, श्री हेमंत नामदेव, श्री रामजीशरण राय, श्री गौरव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उत्पात करने वाले व आम लोगों को परेशान करने वाले 05 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह , पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाल पार्क, आमजनो के घूमने कि लिये बने स्थानो पर पुलिस बल उपलब्ध कराने एवं आमजनो को कोई परेशानी न हो इस हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा निर्देशित किया गया है जो कि आज दिनांक 09.09.24 को सूचना मिली कि अम्बेडकर पार्क के सामने फतेहपुर शिवपुरी के पास कुछ व्यक्ति उत्पात कर रहे है जो तत्काल ही पुलिस टीम द्वारा दविश दी गई जो मौके से आरोपी 1. राजकुमार पुत्र हरीशंकर धाकड उम्र 40 साल नि0 फतेहपुर 2. ईसुक पुत्र गुलाब खांन उम्र 35 साल नि0 लालमाटी शिवपुरी 3. सद्दाम पुत्र महबूबू खांन उम्र 28 साल नि0 कमलागंज 4. शाहरुख पुत्र अजीज खांन उम्र 28 साल नि0 कमलागंज 5. गोलू पुत्र कैलाश चंदेल उम्र 30 साल नि0 शांतिनगर शिवपुरी के उत्पात करते मिले जिससे लोगो में भय का वातावरण उत्पन्न हुआ जो उक्त सभी व्यक्तियों को तत्काल
धारा 170,126/135(3) बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया एवं आरोपीगणों एसडीएम न्यायालय शिवपुरी पेश किया गया। सभी आरोपीगणों व्दारा थाना पर भविष्य में लडाई झगडा न करने की बात स्वीकार की एवं भविष्य में अच्छी तरह रहना बताया थाना कोतवाली पुलिस व्दारा सार्वजनिक क्षेत्रो व आमजनो के घूमने वाले स्थल पार्को व मुख्य चौराहों पर लगातार पुलिस बल तैनात किया जाकर असामाजिक तत्वो के विरुध्द कार्यवाही की जा रही है जो निरंतर जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिका:उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली रोहित दुबे, प्र0आर0 374 गजेन्द्र परिहार, प्र0आर0 15 रघुवीर पाल, प्र0आर0 142 नरेश यादव, प्र0आर0 152 जयकिशन राणा, प्र0आर0 548 दीपचंद जाटव, आर) भोला राजावत, आर0 अजीत राजावत, आर0 अजय यादव, आर0 देवेन्द्र रावत, प्र0आर0 बीरबल, आर0 मुकेश, आर0 राजवीर, आर0 रिकेश धाकडकी विशेष भूमिका रही।

करैरा कच्ची गली में पैदल जा रही 5 साल की मासूम बच्ची आई तेज रफ्तार बाइक की चपेट में, बाल बाल बची

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

शिवपुरी- जिले के करैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने बाली कच्ची गली मार्केट में एक पैदल जा रहीं 5 साल की मासूम तेज रफ्तार बाइक चालक की चपेट में आ गई. जिसके बाद बच्ची बाल बाल बच गई. यह पूरी घटना मार्केट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. जानकारी के अनुसार भानु परिहार ने बताया कि वह पत्नी और दो बच्चों के साथ अपनी ससुराल ग्राम छिराई आया हुआ था. ससुराल ग्राम छिराई से वापस अपने घर ग्राम हथला थाना दतिया लौट रहा था. इसी बीच बच्चे को घड़ी लेनी थी. तो वह करैरा की कच्ची गली बाजार में चला गया. कच्ची गली बाजार में जैसे ही वह पहुंचा तो वह अपने परिवार के साथ पैदल जा रहा था. पीछे से तेज रफ्तार बाइक आ रही थी. बच्ची बाइक की चपेट में आ गई. जिसके बाद बच्ची बाल बाल बच गई. यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. करैरा थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है.

मनीष कुंभकार वन विभाग के प्रतिनिधि बने

शिवपुरी जिले के पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने पोहरी क्षेत्र के वन क्षेत्र में होने बाली गतिबिधियों की जानकारी जुटाने के लिए विधायक प्रतिनिधि मनीष कुम्भकार को नियुक्त किया है नरवर तहसील में मनीष कुम्भकार नरवर, मगरोनी वन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। मनीष कुम्भकार को विधायक प्रतिनिधि बनने पर नरवर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय हरसाना, उपाध्यक्ष राजू कोली के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई और शुभकामनायें दी।

यातायात व्यवस्था प्रभावित करके प्रतिबन्धित क्षैत्र में पाये गये भारी वाहनों पर यातायात प्रभारी ने की कार्यवाही

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - शिवपुरी मैं यातायात व्यवस्था को अवरुद्ध कर शहर में चलने वाले भारी वाहन और तेज आवाज कर साइलेंसर से पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल पर यातायात प्रभारी धनंजय शर्मा द्वारा चालानी कार्रवाई कर आगे इस प्रकार के कार्य न करने की सलाह दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी यातायात पुलिस शिवपुरी द्वारा यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में आज दिनांक 09/09/2024 को प्रतिबंधित क्षैत्र (नो एन्ट्री) में पाये गये 04 भारी वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर वाहन चालकों से 20000/- रू समन शुल्क राशि अधरोपित की गई। विगत माहों में प्रतिबंधित क्षैत्र में वाहन चलाने वाले 43 वाहन चालकों के विरूध्द कार्यवाही कर 215000/- की समन शुल्क राशि अधरोपित की गई है। इसी क्रम में आज वाहन चेकिंग के दौरान शहर में तेज अवाज एवं फटाका फोडने वाले 02 बुलेट मोटर साईकिल चालकों के विरूध्द कार्यवाही कर 2000 रू समन शुल्क राशि वसूल की गई है एवं तेज आवाज वाले साईलेंसरों को भी जप्त किया गया है। शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूध्द कार्यवाही निरन्तर जारी है।

करैरा ग्राम पंचायतों में कमीशनखोरी की दलदल में फसा विकास

सरपंच, सचिव,सहायक सचिव, इजीनियर, ए ई, जनपद के अधिकारी कर्मचारियो, फर्जी बिल लगाने बाली फर्मो को मिलाकर लिया जाता है, आखिर कैसे लिखीं जाएं पंचायतों की उज्जवल बिकाश की कहानियाँ

आमोलपठा। मध्यप्रदेशमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा करोडों रूपय ग्राम पंचायतों की दशा और दिशा सुधारने के लिए पानी की तरह नई- नई योजनायें लाकर बहाया जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी नजर अंदाज किया जाएं तो ग्राम पंचायतों की हालत बेहद दयनीय है कोई भी बिकाश कार्य गुणवत्ता युक्त नहीं हो पा रहा है। कोई भी ग्राम पंचायतों में चल रही योजनाओं की स्थिति पर गौर कर नजर दौडा लो तो हर योजना कहीं न कहीं शिष्टाचार के माध्यम से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी हुई है। आखिर किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस पर बिचार क्यू नहीं किया ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को नहीं है। करैरा विधानसभा की ग्राम पंचायतों में योजनाओ का लाभ पहुचाया जा रहा है। लेकिन पंचायत के कर्ताधर्ताओं द्वारा राशि का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाई जा रही है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत नारही का सामने देखने को मिला जहां ग्रामीणों को आम रास्ते में सनी हुई कीचड़ से गुजरना पड रहा है। कई बार ग्रामीणों ने सरपंच व सचिव से गुहार लगा चुके लेकिन सुनकर आना कानी कर दी और आम रास्ते में थौडी- थौडी मरम्मत कराकर छोड़ दी और उसी रास्ते में जगह-जगह गड्ढे भी हो चुके जिससे दो पहिया वाहन निकलने में मुश्किल हो रहा है। वहीं ग्राम पंचायत नारही में सरपंच एवं सचिव द्वारा फर्जी मस्टर डाल कर अपने चाहते लोगों के खाते में राशि डालकर निकलवा ली जाती है। और उस राशि को मिल बांट कर खुर्दबुर्द की जा रही है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 से 02 अक्टूबर तक

नगरीय निकाय एवं जनपद प्रतिदिन की जाने वाली गतिविधियों का कैलेण्डर जारी करें: कलेक्टर

मुरैना । मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा 2024 का पखवाड़ा कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसमें प्रतिदिन नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में साफ-सफाई से लेकर अन्य गतिविधियां चलाई जायेंगी। इसके लिये सभी नगरीय निकाय एवं सभी जनपद 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक प्रतिदिन की गतिविधियां का कैलेण्डर जारी करें। यह कैलेण्डर 11 सितम्बर तक सीईओ जिला पंचायत को उपलब्ध करायें। यह निर्देश कलेक्टर ने बैठक के दौरान समस्त अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने कहा कि अपने-अपने जनपद एवं नगरीय क्षेत्रों में एक स्थान चिन्हित करें, जो सबसे गंदा हो, उस स्थान की साफ-सफाई करें और उसके बाद फोटोग्राफ्स एवं आपके द्वारा की गई कार्यवाही को सोशल मीडिया पर अपलोड करें।

कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिये कि अपने अनुभाग स्तर पर ऐसे एनजीओ एवं संगठनों की एक बैठक करें, जो इसमें सहभागिता करना चाहते है। इस संबंध में कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने सीईओ जिला पंचायत को निर्देश दिये कि अभियान चलायें। स्वच्छता मित्रों को भी 02 अक्टूबर को कार्यक्रम आयोजित कर

जिला स्तर पर विभिन्न एनजीओ की बैठक 10 सितम्बर को अपरान्ह 04 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाये। जिसमें स्वच्छता ही सेवा के संबंध में बिंदुओं पर बैठक में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ ही अपने-अपने कार्यालयों में भी स्वच्छता सम्मानित करें। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में संगोष्ठी करायें और अंगनबाड़ियों में मंगल दिवस स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का आयोजन करवाया जाए जिसका व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया, स्थानीय समाचार पत्र एवं रेडियो पर भी कराया जाए।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं बार अध्यक्ष ने प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुनील कुमार जैन ने 14 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए नगर परिषद के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। यह प्रचार वाहन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में लोक अदालत का प्रचार प्रसार करेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह ने बताया कि मंडलेश्वर न्यायिक जिले में 14 सितंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए कुल 26 खण्डपीठ बनाई गई है। साथ ही प्री-लिटिगेश के प्रकरणों के लिए प्रथक से 18 खण्डपीठ बनाई गई है। बैंक रिकवरी विद्युत प्रकरण जलकर बीएसएनएल के प्री-लीटिगेशन प्रकरणों के अलावा नियमित लगभग 2100 प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रखे जाएंगे। इस अवसर पर कुटुम्ब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती मैरी मार्ग्रेट फ्रांसिस डेविड, जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के सचिव श्री सुजीत कुमार सिंह, जिला न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार कुण्डू, जिला न्यायाधीश बीडी राठौर, जिला न्यायाधीश दीपक चौधरी, व्यवहार न्यायाधीश महेन्द्र सिंह, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कार्तिक जोशी, विधिक सेवा के एलएडीसी सिस्टम के डिप्टी चीफ रूपेश शर्मा, सहायक सुश्री निशा कौशल, अधिवक्ता सीके जैन सहित अधिवक्तागण पीएलवी एवं पक्षकार उपस्थित थे।

सड़कों पर आवारा पशु पाये जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर आवारा पशु पाये जाने पर उन्हें पकड़कर गौशाला पहुंचाये। जिन लोगों के पशु सड़कों पर बैठे या घुमते पाये जाए उनके मालिकों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाए। जिले में कहीं पर भी सड़कों पर गौवंश या अन्य पशु नजर नहीं आना चाहिए। पशु मालिकों को भी हिदायत दी जाए कि वे अपने पशुओं को बांध कर रखें। सड़कों पर गौवंश एवं अन्य पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने यह निर्देश दिए गए हैं।

500 बीघा वनभूमि पर लहलहा रही मूमफली की फसल

आमोलपठा। शिवपुरी जिले के अमोला रेंज के अर्तगत दक्षिण में घसारही एवं नारही में बर्षो से दमंग लोगों द्वारा वनभूमि की करीब 500 बीघा जमीन पर अबैध कब्जा कर फसल कर रहे हैं। बर्तमान समय में इस जमीन पर मूंगफली की फसल लहलहा रही है। बताया जा रहा है कि इस पूरे खेल में डिप्टी रेंजर मोहन लोधी और बीट गार्ड सुनील सोहरे की मिली भगत से हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने लिखित शिकायत जिला कलेक्टर से लेकर डीओफो तक शिकायत कर चुके लेकिन आज तक कोई कार्यवाई नहीं हुई। इधर दमंग लोगों ने ग्रामीणों की आम रास्ता को भी बंद कर दिया हैं जिससे उनकी निजी भूमि पर आने जाने में निकलना मुश्किल हो रहा और

ग्रामीण बोले कलेक्टर से लेकर डीओफो तक दर्ज करा चुके हैं, पर नहीं होती कार्रवाई, वन विभाग से साठ-गांठ कर दमंगो ने किया वनभूमि पर कब्जा

पशुओं को भी निकलने नहीं दे रहें ।

ग्रामीणों ने बताया कि बर्तमान सरपंच राजेन्द्र ठाकुर का कहना है कि चाहे जितनी शिकायत करलो मेरा कुछ नहीं बिगार सकते और न ही फोरेस्ट विभाग मेरी वनभूमि की जमीन जोत पायगी क्योंकि फोरेस्ट विभाग में मेरे अच्छे संबंध है और पैसा भी देता हूंयह भी आरोप लगाया गया है कि सरपंच द्वारा और अन्य लोगों को भी वनभूमि पर अबैध कब्जा कराये हुए हैं। इसलिए तमाम शिकायतों के बाद भी इस भूमि से कब्जा हटाने की कार्यवाही नहीं हो रही। अमोला दक्षिण रेंज के अर्तगत घसारही एवं नारही के ग्रामीण भरत सिंह ठाकुर, सालिकराम जाटब, बादाम पाल, रमेश पाल, रामभरोसा जाटब, गोविन्द प्रजापति, कप्तान परिहार, जगदीश जाटब, चंद्रभान परिहार, लाला आदिवासी, खम्मा बाई आदिवासी आदि ने बताया कि घसारही एवं नारही में वनभूमि की 500 बीघा जमीन हैं। यहां पर करैरा रेंजर अनुराग तिवारी की साठ - गांठ से घसारही एवं नारही गांव के राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रूप सिंह गुर्जर, गोपाल सिंह ठाकुर, बाघ सिंह ठाकुर,बल्लू ठाकुर जुगहा, किशोरी जाटब, महेश जाटब, विजय जाटब,बल्ली जाटब, अबदेश लोधी, लालू गुर्जर सिलानगर सहित अन्य लोगों ने भी वनभूमि पर कब्जा कर रखा है। इन लोगों ने इस जमीन पर खड़े पेड पौधों को काट दिया और 500 बीघा पूरी जमीन में मूंगफली की फसल लगाकर रखी हैं। इस मामले में गांव के लोगों ने फोरेस्ट विभाग से लेकर कलेक्टर को शिकायत दर्ज कराई हैं।इस के बाद भी कोई कार्यवाई नहीं हुई।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। वित्रल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के वित्रल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

वडाव लिंग

पास में स्थित वडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। वडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

ग्वालियर की 3 लाख 12 हजार से लाड़ली बहनों के खातों में 38.46 करोड़ से अधिक धनराशि पहुंची

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक के जरिए पहुँचाई धनराशि

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले के बीना में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश की लाड़ली बहनों के साथ ग्वालियर जिले की 3 लाख 12 हजार 822 बहनों के खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत लगभग 38 करोड़ 45 लाख 44 हजार रूपए की धनराशि पहुँचाई। साथ ही समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिले के एक लाख 11 हजार 97 हितग्राहियों के खातों में 6 करोड़ 66 लाख 58 हजार रूपए से अधिक धनराशि पहुँचाई।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर यहाँ कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में आयोजित हुए कार्यक्रम में जिले की लाड़ली बहनाओं के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भर की बहनों के कल्याण की चिंता की है। साथ ही महिलाओं के मान-सम्मान का ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री प्रदेश भर की बहनों के खातों में 1250 रूपए प्रतिमाह के मान से लाड़ली बहना योजना की धनराशि पहुँचा रहे हैं। श्री तोमर ने कहा बहनों से किया गया वादा प्रदेश सरकार ने पूरी शिद्दत के साथ निभाया है। सरकार महिलाओं

के कल्याण में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जब सिंगल क्लिक के जरिए लाड़ली बहना योजना की धनराशि खातों में पहुँचाई तो ग्वालियर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में मौजूद श्रीमती अनीता, श्रीमती रेनू प्रजापति, श्रीमती देवकी शाक्य, श्रीमती रेहाना परवीन व श्रीमती रेखा शाक्य सहित सभी लाड़ली बहनें गदगद हो गईं और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति धन्यवाद जताया। एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मौजूद जिले की लाड़ली बहनों ने बड़ी स्क्रीन पर सीधे प्रसारण के जरिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उदबोधन सुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर जिले के बीना की कृषि उपज मंडी पसिर में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के जरिए लाड़ली बहना योजना के तहत ग्वालियर जिले की लाड़ली बहनों सहित प्रदेश की 1.29 करोड़ बहनों के खातों में 1574 करोड़ रूपए की धनराशि अंतरित की। साथ ही ग्वालियर जिले के हितग्राहियों सहित प्रदेश भर के सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 332.43 करोड़ रूपए की धनराशि पहुँचाई। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास धीरेन्द्र सिंह जादौन व सहायक संचालक राहुल पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी और जिले की लाड़ली बहनें मौजूद थीं।

ऊर्जा मंत्री ने सिविल हॉस्पिटल हजीरा में पेयजल टैंकर एवं कचरा संग्रहण वाहन का किया शुभारंभ, शव वाहिका भी सौंपी

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और जरूरतमंदों तक योजनाओं की आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। इसी भाव के साथ उपनगर ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने सोमवार को सिविल अस्पताल हजीरा में पेयजल टैंकर और कचरा संग्रहण वाहन का शुभारंभ किया। सिविल हॉस्पिटल को एक शव वाहिका भी उन्होंने सौंपी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती अनीता गुड्डू रत्नाकर सहित अशोक शर्मा, ओम प्रकाश शेखावत, योगेन्द्र सिंह तोमर, दारा सिंह सेंगर, बृजमोहन शर्मा, वेद प्रकाश शिवहरे, अशोक चौधरी एवं पूर्व पार्षद प्रदीप रत्नाकर सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह 17 से

ग्वालियर। स्वर्गीय श्रीमती एवं श्री रामचंद्र माखीजा की स्मृति में पितृपक्ष में श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 17 से 23 सितंबर तक विजयानगर एक्सटेंशन में आयोजित किया गया है। जिसमें कथावाचक प्रसिद्ध भागवत आचार्य सतीश कौशिक के मुखारबिंद से कथा को श्रवण कराया जाएगा। मुख्य परीक्षित श्री राजेश माखीजा, श्रीमती सपना माखीजा है। वहीं माखीजा परिवार के मुखिया अमर माखीजा, गोविंद, ओमप्रकाश, मनीष, पंकज एवं समस्त माखीजा परिवार ने सभी भक्तों से श्रीमद भागवत में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया है।

शहर की सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा गिरी

ग्वालियर। शहर की सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा गडढे में आकर गिर गई है। बार-बार शहर की जर्जर सड़कों की खबरें प्रकाशित होने के बाद निगम प्रशासन ने इस ओर कतई ध्यान नहीं दिया, जिस कारण स्थापित होने वाली शहर की बड़ी गणेश प्रतिमा खल्लासीपुरा में गिर गई।जबकी निगम कमिश्नर ने सड़कों को ठीक करने के निर्देश दिए थे. यह प्रतिमा गणेश चतुर्थी पर अपने स्थापना स्थल के लिये निकली थी। प्रतिमा इतनी बड़ी थी कि धीरे-धीरे तारों को हटाते हुये गडढे देखते हुये आगे भक्त ले जा रहे थे। लेकिन आज रात्रि खल्लासीपुरा पर यह एक गडढे में आकर गिर गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रतिमा गिरने के बाद श्रद्धालुओं में खासा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि सड़कों की हालत कितनी खराब है यह अब सबके सामने है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया। वहीं कांग्रेस नेता सुनील शर्मा भी अपने समर्थकों के साथ आ गये।

निगमायुक्त के कड़े तेवरों के बाद गारंटी अवधि की सड़कों पर ठेकेदार ने की पेच रिपेयरिंग

ग्वालियर। निगम आयुक्त अमन वैष्णव की सख्ती के बाद अब पेच रिपेयरिंग के काम में तेजी आई है। सड़कों की खराब हालत का बीते दिनों नये निगमायुक्त ने निरीक्षण कर गारंटी अवधि की सड़कों पर ठेकेदारों द्वारा पेच रिपेयरिंग कराने के निर्देश दिये थे। निगमायुक्त के तीखे तेवरों के बाद अब ठेकेदारों ने पेचय रिपेयरिंग का काम तेज कर दिया है।

निगमायुक्त अमन वैष्णव ने आम नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए शहर की सड़कों के गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए गारंटी अवधि की सड़कों पर ठेकेदार द्वारा ही पेंच रिपेयरिंग का कार्य कराने के निर्देश दिए थे, जिसके क्रम में रविवार को वार्ड क्रमांक 32 के अंतर्गत रवि नगर एवं खेड़ापति कॉलोनी, नौगजा रोड एवं

वार्ड 31 में न्यू सकेत नगर कॉलोनी की गारंटी अवधि की सड़कों का पेच रिपेयर कार्य किया गया। कार्यपालन यंत्री प्रदीप जादौन ने बताया कि गारंटी अवधि की सड़कों पर ठेकेदार के द्वारा एवं अन्य सड़कों पर नगर निगम द्वारा पेच रिपेयरिंग का कार्य युद्ध-स्तर पर चल रहा है। निगम के अमले द्वारा फूलबाग, लक्कड़ खाना पुल, इंग्ले की गोट, सती विहार मछली मंडी, जमांहर गांव, दर्पण कॉलोनी आठ दुकान रोड के पास, ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर 1, राज एनक्लेव एमिटी यूनिवर्सिटी के पीछे, आदर्श नगर पिंटू पार्क, नारायण विहार गल्ला मंडी के सामने, हरी खेड़ा, काजल टॉकीज के पास, बदनापुरा मोती झील, फालका बाजार, दुष्यंत नगर, नाका चंद्रबदनी, बडागांव पुलिस चैकी के पास, पाटणकर बाजार से ऊंट पुल गिरिराज जी का मंदिर, खेरियामोदी गांव, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास डीडी नगर, डीआरपी लाइन, सत्यनारायण की टेकरी, मेवाती मोहल्ला, लक्ष्मण तलैया एवं हनुमान घाटी सहित अन्य कई क्षेत्रों में पेंच रिपेयरिंग का कार्य कराया गया।

मां मरियम का जन्म उत्सव मनाया, प्रार्थना की

ग्वालियर। शिंदे की छावनी अलिजा बाग स्थित मां मरियम के प्रार्थना भवन पर सोमवार को मां मरियम का जन्म उत्सव बड़े ही उत्साह पूर्वक भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम फादर जोसेफ चिप्सन, फादर रोशन ने मां मरियम के आदर में भक्ति भाव के साथ माला विनती पड़वाई तथा प्रार्थना की। बच्चों ने मां मरियम के आध्यात्मिक भक्ति गीत गाये गये। 29 अगस्त को मां मरियम के जन्म उत्सव की शुरूआत ध्वज फहराकर की गयी थी। 9 दिवसीय प्रार्थना का समापन सोमवार को हुआ। इस मौके पर बाल मां मरियम स्वरूप बालिकाओं ने मां मरियम के नाम का केक काटकर प्रसाद स्वरूप बांटा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने खुशियां मनाते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डते लियो फ्रांसिस, कांग्रेस शहर सदर देवेंद्र शर्मा, वीर सिंह तोमर, समाजसेवी अमित सूरी, अन्नू तोमर, राजेश्वर, फैर्डकि, कुं. जैनेश फैर्डकि, संजय फ्रांसिस, विजय विल्सन सहित समाज के लोग, बच्चे, बुजुर्ग व अन्य आमजन उपस्थित थे।

निशुल्क न्याय परामर्श शिविर आयोजित

ग्वालियर। मध्यप्रदेश अधिवक्ता परिषद मध्य भारत प्रांत जिला इकाई ग्वालियर द्वारा न्याय परामर्श शिविर का आयोजन हीरा भूमिया मंदिर वीरपुर में किया गया। जिसमें क्षेत्र के लोगों का रजिस्ट्रेशन कर उनकी समस्याओं का निराकरण कराया गया। शिविर में शिकायतें नगर निगम से संबंधित, बिजली विभाग से संबंधित व अन्य आई जिसे सुनकर अधिवक्ताओं ने निशुल्क सलाह प्रदान की। अधिवक्ता परिषद मध्य भारत प्रांत जिला इकाई ग्वालियर द्वारा समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को शीघ्र और निशुल्क न्याय प्रदान किए जाने के उद्देश्य से न्याय परामर्श लगाया गया था। शिविर में मुख्य रूप से अधिवक्ता सीपी सिंह, शैलेंद्र सिंह, हरीश शर्मा, पूनम, कपिल सिंघल, केजी सिंह, प्रीतम सिंह, केशव सिंह, पूरन सिंह, मोनिका जैन एडवोकेट, जया अग्रवाल उपस्थित रहे।

शासकीय कार्य में यदि कोई बाधा उत्पन्न करें तो उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करायें: निगम आयुक्त

ग्वालियर। शासकीय कार्य में यदि कोई बाधा उत्पन्न कर रहा है तो उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करायें। यह बात सोमवार को निरीक्षण पर निकले निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने संबंधित अधिकारियों से कहीं और आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिये। इसके साथ ही उन्होंने गंदगी पाये जाने पर स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं डब्ल्यूएचओ के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। सोमवार को निगमायुक्त श्री वैष्णव ने वार्ड 65 में शासकीय माध्यमिक विद्यालय अजयपुर का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाउंड्रीवॉल कार्य की जानकारी ली। जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों एंव क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि यह कार्य क्षेत्र के कुछ लोग नहीं होने दे रहे। जिसको लेकर निगमायुक्त श्री वैष्णव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा तो उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करायें। इसके साथ ही निगमायुक्त श्री वैष्णव ने वीरपुर बांध के पास स्थित मुक्तिधाम का निरीक्षण किया तथा जो भी आवश्यक कार्य मुक्तिधाम में किए जाने हैं तत्काल उन्हें प्रारंभ करायें। निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने और गोबर की शिकायत मिलने पर उन्होंने तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। यहां से निगमायुक्त शिंदे की छावनी पहुंचे और गत दिवस जहां गणेश प्रतिमा खंडित हुई थी उस स्थान का भ्रमण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विजय राज, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, डॉ. अतिबल सिंह यादव, कार्यपालन यंत्री प्रदीप जादौन, संजीव गुप्ता,एपीएस जादौन, सहायक यंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

45 वीं अंतर सीमांत एथलेटिक्स स्पर्धा शुरू

ग्वालियर। मध्यप्रदेश ग्वालियर में स्थित सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में आज 45 वीं अंतर सीमांत एथलेटिक्स स्पर्धा 2024 का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिरीक्षक एवं संयुक्त निदेशक अकादमी ब्रजेश कुमार ने किया। इस स्पर्धा में अलग अलग सीमांत मुख्यालयों की 11 टीमों के 279 खिलाडी भाग ले रहे हैं। इसमें पूर्वी कमान से दक्षिण बंगाल, उत्तर बंगाल, गोहाटी, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम सीमांत की टीमें एवं पश्चिमी कमान से जम्मू , काशमीर, पंजाब, राजस्थान तथा गुजरात सीमांत की टीमें भाग ले रही है। एथलेटिक्स स्पर्धा में ट्रेक एवं फील्ड की 23 स्पर्धा का आयोजन किया जायेगा। मुख्यअतिथि ब्रजेश कुमार ने कहा कि इस स्पर्धा का उददेश्य सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों का

चयन कर उन्हें सेन्ट्रल टीम में भेजना है तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से जवानों को उच्च स्तर की स्पर्धा के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि स्पर्धा के माध्यम से जवानों का मनोबल बढता है वहीं कई खिलाडी उच्च स्तर तक पहुंचकर राष्ट्र का नाम रोशन करते है। एथलेटिक्स स्पर्धा का समापन 13 को होगा। एथलेटिक्स स्पर्धा में आज 800 मीटर तथा 100 मीटर के मुकाबले हुये। जिसमें 800 मीटर में आरक्षक महेश कुमार ने प्रथम,विक्की ने द्वितीय तथा दीनानाथ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 100 मीटर में लवकुश ने प्रथम , जावेद ने द्वितीय तथा हिमालयकांत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को पुरस्कार मुख्य अतिथि ब्रजेश कुमार ने दिये। इस अवसर पर आईजी सहायक प्रशिक्षण केन्द्र टेकनपुर मनोज कुमार यादव तथा आयोजन सचिव हषवर्धन सिंह रावत सहित डीआईजी एफओएस एके आर्या आदि मौजूद थे।

अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 15 को

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा 117वां युवक युवती परिचय सम्मेलन अग्रवाल धर्मशाला गोहद में 15 सितंबर को आयोजित किया गया है। सम्मेलन के लिये सोमवार को गोहद में अग्रबंधुओं की एक बैठक तैयारियों को लेकर आयोजित की गई। बैठक में अग्रवाल परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि परिचय सम्मेलन में सैकडों अग्रबंधु एक छत के नीचे एकत्रित होकर बच्चों के रिश्ते करते हैं और सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हैं। बैठक में मुकेश सिंघल ने कहा कि परिचय सम्मेलन रिशतों को जोड़ने का सशकत माध्यम है। चम्बल संभाग से होने वाले परिचय सम्मेलन के लिए अग्रबंधुओं ने अपने विवाह योग्य बच्चों के पंजीयन कराये है। इंजीनियर एवं बिजनेसमेन युवक भी अपना परिचय मंच से देंगे। सम्मेलन के लिये 320 युवक युवतियों के पंजीयन निशुल्क किये गये हैं। यह सभी बायोडाटा पत्रिका में प्रकाशित किए जायेंगे। 15 सितम्बर को ही अग्रवाल परिचय पत्रिका का विमोचन अतिथियों के द्वारा किया जायेगा। बैठक में ओमप्रकाश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, प्रहलाद सिंघल, अतुल लोहिया, जेपी अग्रवाल, विजय सिंघल सहित गोहद के अग्रबंधु उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478